डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 142 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 30 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत के 3 दुश्मनों ने मिलाया पाकिस्तान के साथ हाथ

युद्ध की स्थिति में तीन देशों ने किया समर्थन देने का ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत से तनाव के बीच तीन देशों ने इस्लामाबाद का समर्थन किया है। चीन और तुर्की के बाद अब अजरबैजान ने भी पाकिस्तान का साथ देने की घोषणा की है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आशंका है कि भारत और पाकिस्तान जंग में जा सकते हैं। जिसको लेकर एक तरफ जहां ईरान और सऊदी अरब ने तनाव को कम करने के लिए दोनों देशों के नेताओं से बात की है, वहीं चीन और तुर्की को लेकर रिपोर्ट है कि उसने पाकिस्तान को घातक हथियार मुहैया

करवाए हैं। इस्लामाबाद को हथियार पहुंचाने के अलावा चीन ने रविवार को पाकिस्तान को उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा करने में अपना समर्थन देने की घोषणा की है। चीनी सरकार के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह संघर्ष भारत और पाकिस्तान के मौलिक हितों में नहीं है, न ही यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए अनुकूल है। उम्मीद है कि दोनों पक्ष संयम बरतेंगे, एक-दूसरे से मिलकर काम करेंगे और स्थिति को शांत करने में मदद करेंगे। इससे पहले पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार, जो देश के विदेश मंत्री भी हैं, उन्होंने रविवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी को फोन किया था। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के मुताबिक इशाक डार ने भारत की एकतरफा और अवैध कार्रवाइयों के खिलाफ विरोध किया है।

पंजाब-पाक बॉर्डर पर अक्टूबर तक लगेंगी एंटी ड्रोन तकनीक

ड्रग तस्करी में शामिल 31 हवाला ऑपरेटर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब को 31 मई तक नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस ने पूरी योजना बना ली है। सभी जिलों के एसएसपी और सीपी को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें तय समय में इस दिशा में कार्रवाई करने को कहा गया है। तय तिथि के बाद पूरे अभियान की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान जिन अधिकारियों का काम अच्छा होगा, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। वहीं, जिनका

काम मानकों के मुताबिक नहीं होगा, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह दावा पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने किया है। उन्होंने कहा कि भारत-पाक सीमा पर एंटी ड्रोन तकनीक लगाने का काम चल रहा है। इसका ट्रायल हो चुका है और हमारे अधिकारी गृह मंत्रालय (एमएचए) के संपर्क में हैं। सितंबर-अक्टूबर तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, 30 एनडीपीएस मामलों के लिए कोर्ट बनाई जाएगी। इस पर राज्य सरकार 22.8 करोड़ रुपए खर्च करेगी। वहीं, नशा तस्करी में शामिल 31 हवाला ऑपरेटरों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी पहुंचे झालाना लेपर्ड रिजर्व

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले खेलने पहुंची मुंबई इंडियंस टीम के खिलाड़ी मंगलवार को झालाना लेपर्ड रिजर्व पहुंचे। इस दौरान भारतीय टी- 20 टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव अपने परिवार के साथ पहुंचे, जहां उन्हें लेपर्ड राणा दिखा तो वो रोमांचित हो गए। दरअसल, जयपुर के प्रसिद्ध झालाना लेपर्ड रिजर्व में मंगलवार को खास रौनक देखने को मिली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी सूर्य कुमार यादव और बेवन जॉन जैकब्स अपने परिवार के साथ लेपर्ड का दीदार करने पहुंचे।

इस दौरान जहां सुबह की पारी में बेवन जैकब्स अपने परिवार संग सफारी पर निकले। वहीं शाम की सफारी में सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी के साथ शामिल हुए। शाम की सफारी के दौरान सूर्यकुमार यादव ने रूट नंबर दो पर

झालाना के प्रसिद्ध लेपर्ड राणा की फाइटिंग भी देखी। इस अनुभव के बाद उन्होंने झालाना सफारी प्रबंधन और स्टाफ की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि जयपुर जैसे शहर के बीचों - बीच अरावली पर्वतमाला में बसा यह जंगल एक अनमोल धरोहर है। जो शहरवासियों को शुद्ध हवा और ऑक्सीजन प्रदान कर रहा है। उन्होंने ग्रास लैंड क्षेत्र की सुंदरता और पक्षियों की विविधता की भी जमकर तारीफ की।

बता दें कि जयपुर का झालाना लेपर्ड रिजर्व बॉलीवुड कलाकारों के साथ क्रिकेटर्स की पहली पसंद बनता जा रहा है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ अपने परिवार के साथ झालाना लेपर्ड रिजर्व पहुंच चुके हैं। वहीं संजय दत्त रवीना टंडन समेत बॉलीवुड के एक दर्जन से ज्यादा कलाकार शेरों के बीचों - बीच लेपर्ड का दीदार करने के लिए झालाना सफारी करने आए हुए हैं।

55 नगरपालिकाओं के चुनाव क्यों नहीं करवा रहें : हाईकोर्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर प्रदेश की 55 नगरपालिकाओं का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उनके चुनाव नहीं कराने और प्रशासक नियुक्त करने पर राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस श्रीचंद्रशेखर और जस्टिस आनंद शर्मा की बेंच ने मुख्य सचिव, स्वायत्त शासन सचिव, निदेशक एवं राज्य निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब तलब किया है।

इस संबंध में पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने जनहित याचिका में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद-243यू और नगरपालिका अधिनियम की धारा-7 और धारा-11 के तहत इनका कार्यकाल पूर्ण होने से पूर्व चुनाव कराए जाने जरूरी है।

एक्ट के अनुसार पिछले बोर्ड की पहली बैठक के 5 साल

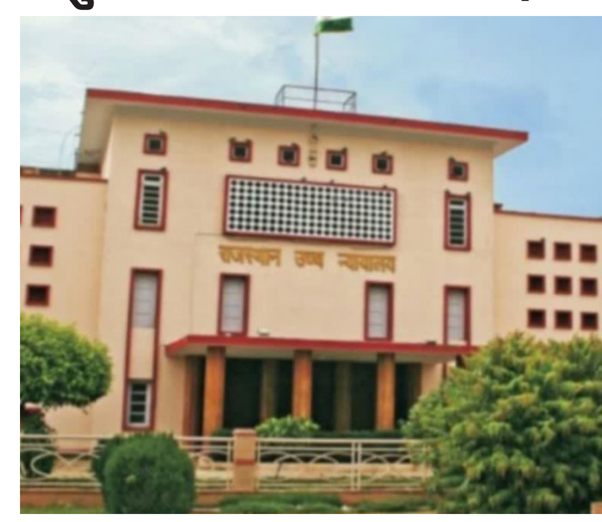

पूरे होने से पहले चुनाव होने चाहिए। कार्यकाल 25 नवंबर, 2024 को पूरा हो चुका है। सरकार चुनाव कराने के बजाए प्रशासक लगा दिए। प्राकृतिक आपदा होने पर टाले जा सकते हैं। किसी बोर्ड का विघटन होने पर 6 माह में चुनाव होने चाहिए। 2019 में कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव प्रक्रिया आरंभ हो गई थी।

गेमचेंजर 'राफेल डील' पर लग गई मोदी सरकार की मुहर

- भारत-फ्रांस के बीच डील पक्की, पहला फाइटर जेट 2028 में भारत पहुंचेगा

63 हजार करोड़ रुपए में मिलेंगे 26 राफेल मरीन, नौसेना के लिए हुआ सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-फ्रांस के बीच गेमचेंजर राफेल डील पर मुहर लग गई है। भारत ने 26 राफेल-एम लड़ाकू जेट खरीदने के लिए 63000 करोड़ रुपये का सौदा किया। लगातार अपनी क्षमता में इजाफा कर रही भारतीय नौसेना के लिए राफेल फाइटर जेट की खरीद निर्णायक मानी जा रही है। जिस तरह से पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश है, ऐसे में ये डील बेहद अहम है। ये समझौता ऐसे समय हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बैठक चल रही थी। भारत और फ्रांस की सरकार के बीच सोमवार को राफेल डील पर हस्ताक्षर किया गया। राफेल से जुड़े समझौतों पर

नई दिल्ली में साइन किया गया। फ्रांस के रक्षा मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत में शामिल हुए। नौसेना के लिए मरीन (एम) श्रेणी के राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जा रहे हैं। भारतीय नौसेना को कुल 26 राफेल-एम विमानों की आपूर्ति की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। हाल ही में मिली इस मंजूरी के बाद अब यह डील पर मुहर लगी है। इस डील से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यहां दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गंभीर वार्ता हुई है। राफेल की डील पर हस्ताक्षर के बाद भारतीय नौसेना को राफेल (एम) फाइटर जेट की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी। साल 2031-32 तक नौसेना को सभी विमानों की आपूर्ति कर दी जाएगी।

रेलवे एग्जाम्स में मंगलसूत्र-जनेऊ अब नहीं उतारने होंगे

- भारी विवाद के बीच रेल राज्य मंत्री ने बोर्ड को दिया आदेश

कर्नाटक के डिप्टी सीएम भी बोले- जांच करें पर हटाए नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने रेलवे भर्ती बोर्ड को धार्मिक चिन्हों को उतारने वाले नियम को हटाने का आदेश दिया है। जिसमें परीक्षा देने

वाले छात्रों के कान की बाली, मंगलसूत्र, जनेऊ उतरवा दिए जाते थे। भाजपा सांसद बृजेश चौटा ने सोमवार को एक्स पर यह जानकारी दी। चौटा ने रेलवे भर्ती बोर्ड के पेरा-मेडिकल के एडमिट कार्ड का फोटो भी शेयर किया। जिसमें लिखा था कि मंगलसूत्र और जनेऊ जैसे धार्मिक प्रतीक और आभूषण पहन कर परीक्षा में नही आ सकते। चौटा ने बताया कि केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने अधिकारियों से कहा है कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हों जिसमें छात्रों को धार्मिक प्रतीकों और आभूषणों को हटाने की जरूरत हो। कर्नाटक सरकार ने भी इस नियम पर आपत्ति जताई थी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा- मंगलसूत्र या जनेऊ धार्मिक चीज होती है, आवश्यकता पड़ने पर इसकी जांच कर सकते हैं, लेकिन उन्हें हटाना सही नहीं है। कर्नाटक के बीदर जिले के साई स्पूर्थी पीयू कॉलेज में 17 अप्रैल को एक स्टूडेंट ने जनेऊ उतारने से मना किया तो उसे एग्जाम में बैठने नहीं दिया गया था। 19 अप्रैल को मामला सुर्खियों में आया और इस पर विवाद हुआ।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अश्लीलता मामले में सुप्रीम कोर्ट हो गई सख्त

कहा-ये गंभीर मुद्दा, सरकार ऐक्शन ले, केंद्र बोला-नए नियमों पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को ऑनलाइन अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार और 9 ओटीटी-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिका एक गंभीर चिंता पैदा करती है। केंद्र को इस पर कुछ कदम उठाने की जरूरत है। यह मामला कार्यपालिका या विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे भी हम पर आरोप हैं कि हम कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देते हैं। फिर भी हम नोटिस जारी कर रहे हैं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार

मेहता ने कहा कि ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को लेकर कुछ रेगुलेशन पहले से मौजूद हैं। सरकार और नए नियम लागू करने पर विचार कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विष्णु शंकर जैन पेश हुए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार से ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि ऐसी सामग्री युवाओं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 21 अप्रैल को इसी याचिका पर सुनवाई की थी। तब भी कोर्ट ने कहा था कि मुद्दा एक नीतिगत मामला है।

देश पहले, धर्म या पार्टी बाद में

हम सरकार के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम हमले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश सबसे पहले है। धर्म-जाति या पार्टी का महत्व बाद में है। खड़गे ने कहा कि देश के लिए हम सभी को एकता दिखानी

- जयपुर में पहलगाम हमले को लेकर बोले मल्लिकार्जुन खड़गे

होगी। उन्होंने इस दौरान एक बार फिर कहा कि मोदी सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद होने चाहिए थे। हालांकि खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार इस हमले के बाद जो भी कदम उठाएगी, कांग्रेस पार्टी राष्ट्र हित में उसके साथ खड़ी होगी। जयपुर में संविधान बचाओ रैली के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि प्रधानमंत्री को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी

चाहिए, क्योंकि जब देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंचे तो हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हम चाहते थे, इस बैठक में प्रधानमंत्री अपने प्लान के बारे में बताएं और लोगों के सुझाव भी लें। इसके अलावा, हमने मीटिंग भी बुलाई, जिसमें हमने तय किया था कि हम सभी सरकार के साथ हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, हमने सर्वदलीय बैठक में भी कहा था कि इस कठिन समय में हम सरकार द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी कदम में उनके साथ हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, कांग्रेस पार्टी की तरफ से राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर जाकर पहलगाम हमले के घायलों से मुलाकात और बातचीत की लेकिन नरेंद्र मोदी न तो सर्वदलीय बैठक में पहुंचे और न ही कश्मीर गए। पीएम मोदी पर हमलावर होते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि देश सबसे पहले है। देश के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए।

पहलगाम अटैक पर सीएम उमर अब्दुल्ला का भावुक संबोधन

- सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी थी, मृतकों के परिजनों से क्या कहूं, माफी के लिए शब्द नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को पहलगाम अटैक में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजन से मैं कैसे माफी मांगू। मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उमर ने कहा- जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा लोगों की चुनी हुई हुकूमत की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन सीएम और टूरिज्म मिनिस्टर होने के नाते मैंने इन्हें बुलाया था। मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि इन्हें सुरक्षित भेजूं, नहीं भेज पाया। उमर ने कहा- उन बच्चों से क्या कहता, जिन्होंने अपने वालिद को खून में लिपटा हुआ देखा।

22 लाख की इंगेजमेंट रिंग, जिसे ढूंढ़ने आदिवासियों ने पार की हद

• 48 घंटे की अथाह मेहनत के बाद मिली अंगूठी, लौटी राजकुमारी की मुस्कान • एमपी के आदिवासियों ने जीत लिया राजकुमारी का दिल, ईनाम भी नहीं लिया

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। कल्पना कीजिए एक अंगूठी की, जिसकी कीमत इतनी कि सुनकर आंखें फटी रह जाएं - पूरे 22 लाख रुपए! वो भी किसी आम इंसान की नहीं बल्कि चेक गणराज्य की राजकुमारी इटका क्लेट की सगाई की अंगूठी और उसे खोजने के लिए जो मेहनत हुई, जो जुनून दिखा, वो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। ये कहानी राजकुमारी की उस बेशकीमती अंगूठी की, तामिया के झरने की और उन आदिवासियों की जिन्होंने लाखों का इनाम ठुकराकर इंसानियत की मिसाल पेश की। राजकुमारी इटका क्लेट मध्य

प्रदेश के छिंदवाड़ा आई थीं, अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए लेकिन कुदरत ने शायद उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था। जब वह तामिया के मनमोहक छोटा महादेव झरने की शीतलता में डूबकर प्रकृति का आनंद ले रही थीं, तभी पलक झपकते ही वो हो गया जिसने उनकी दुनिया ही रोक दी। 22 लाख की वो अनमोल, भावनाओं से जुड़ी अंगूठी, फिसलकर झरने के अथाह पानी में समा गई लेकिन एमपी के आदिवासियों ने राजकुमारी की वह अंगूठी ढूंढ़कर उनके चेहरे की हंसी आंसुओं में नहीं बदलने दी।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

चीन की चाल

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अपने बयान में पहलगाम के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात कही है, लेकिन स्टेटमेंट देखकर लगता है कि इससे बात नहीं बनेगी। दरअसल, जब तक स्थायी सदस्य के रूप में चीन आतंक को सहारा देने वाले पाकिस्तान को बचाता रहेगा, तब तक किसी तरह के बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है।

कमजोर भाषा: पहलगाम पर UNSC के बयान की भाषा बेहद कमजोर रही, 2019 के पुलवामा अटैक के बाद आए बयान से भी कमजोर। तब सभी देशों से भारत सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आह्वान किया गया था। इस बार की अपील सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग करने की है। भारत सरकार शब्द होने से पाकिस्तान पर ज्यादा दबाव पड़ता। लेकिन, उसे बचाने के लिए एक बार फिर चीन आगे आ गया।

दोहरा रवैया: आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत ने कम से कम इतना तो सिखा दिया है, लेकिन चीन का रवैया भी कम सवालों के घेरे में नहीं। दुर्भाग्य से उसकी आतंकवाद को लेकर कोई एक नीति नहीं है। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता।

वीगर मुस्लिमों का मसला: ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। उसने अपने शिनच्यांग प्रांत को दुनिया की सबसे बड़ी जेल में तब्दील कर रखा है। चीनी संस्कृति का ज्ञान देने के नाम पर वीगर मुस्लिमों को डिटेंशन कैंपों में रखा जाता है। इसके खिलाफ कई मानवाधिकार संगठन आवाज उठा चुके हैं, लेकिन चीन का कहना है कि उसकी लड़ाई आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया बदल जाता है।

कमजोर पड़ता पाकिस्तान: भारत-चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं और इसकी बुनियाद में सीमा विवाद है। पाकिस्तान को वह भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। हालांकि नई दिल्ली को अब इस बारे में स्पष्ट बात करनी चाहिए। एक तरफ कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू होने जा रही है, जो रिश्तों में बेहतरी दिखाती है और दूसरी ओर पाकिस्तान का बचाव - चीन दोहरी चाल नहीं चल सकता। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी।

सीमा हैदर जैसों के साथ क्या करेगी सरकार

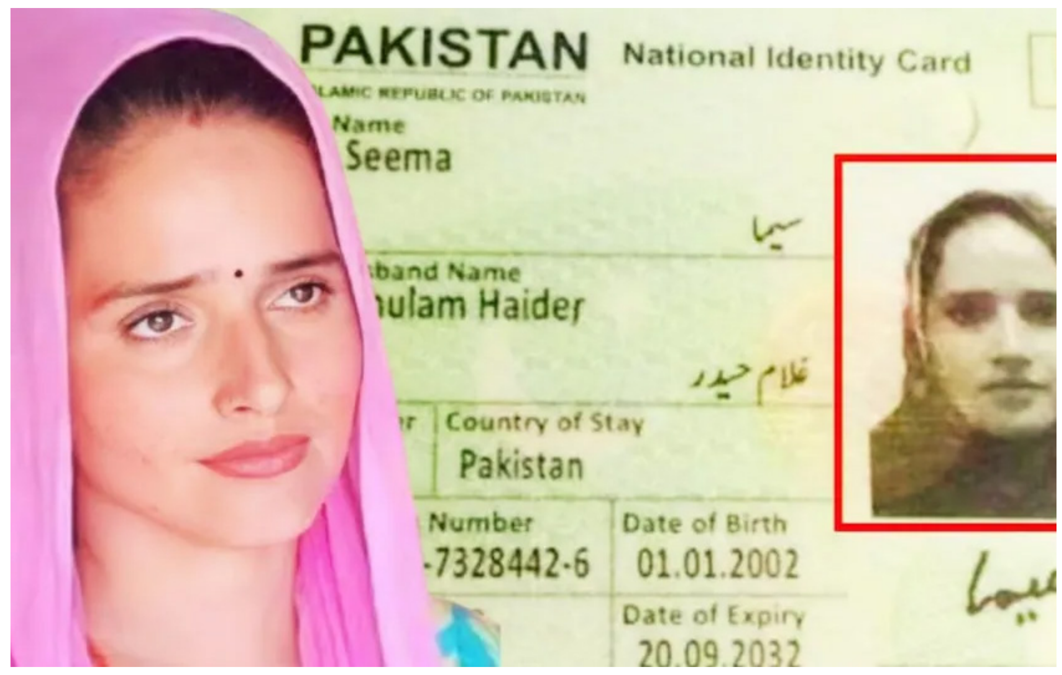

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जो 5 पॉइंट एक्शन लागू किया, उसमें एक अहम फैसला था- पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करना। ज्यादातर वीजा धारकों के देश छोड़ने के लिए आज यानी 27 अप्रैल की डेडलाइन रखी गई है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी सभी मुख्यमंत्रियों से कह दिया है कि अपने राज्य में पाकिस्तानियों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें। भारत की नेशनल सिक्योरिटी पर फैसला लेने वाली सबसे बड़ी बॉडी कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने पाकिस्तान से जुड़े 5 बड़े फैसले लिए। इनमें पाकिस्तानी नागरिकों का इंडियन वीजा रद्द करना भी शामिल था।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 23 अप्रैल को बताया था कि पाकिस्तानी नागरिकों के 14 कैटेगरी के वीजा रद्द किए जाएंगे। 13 कैटेगरी के वीजाधारकों को 25 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा। हालांकि इसे 2 दिन बढ़ा दिया गया। यानी आज इन लोगों को हर हाल में भारत छोड़ना होगा।

SAARC वीजा: 1992 में SAARC वीजा छूट स्कीम शुरू हुई, ताकि बार-बार वीजा प्रोसेस की जरूरत न पड़े। इनमें जज, खिलाड़ी जैसे हाई-प्रोफाइल लोग शामिल होते हैं। इनमें आम नागरिक शामिल नहीं हैं।

बिजनेस वीजा: भारत में बिजनेस के लिए आने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए।

विजिटर वीजा: परिवार या रिश्तेदारों से मिलने के लिए जारी किए जाते हैं।

जर्नलिस्ट वीजा: न्यूज एजेंसी, मीडिया और पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिए।

कॉन्फ्रेंस वीजा: सेमिनार या सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए।

ट्रांजिट वीजा: भारत के रास्ते तीसरे देश जाने के लिए।

ग्रुप टूरिस्ट वीजा: पाकिस्तानी पर्यटकों के ग्रुप को भारत में घूमने के लिए।

माउंटेनियरिंग वीजा: भारत में माउंटेन ट्रैकिंग के लिए आने वाले विदेशियों के लिए।

फिल्म वीजा: भारत में फिल्म, टीवी शो या सिनेमैटिक एक्टिविटी के लिए।

स्टूडेंट वीजा: यह भारत में पढ़ाई करने के लिए विदेशी छात्रों को दिया जाता है।

पिलग्रिम और ग्रुप पिलग्रिम वीजा: किसी एक पाकिस्तानी नागरिक या ग्रुप को भारत में तीर्थयात्रा करने के लिए।

वीजा ऑन अराइवल: यह वीजा भारत में आने पर ही मिल जाता है। हालांकि पाकिस्तान के लिए वीजा ऑन अराइवल पर पाबंदी है।

भारत सरकार पाकिस्तानी नागरिकों को इलाज के लिए मेडिकल वीजा जारी करती है। एक मरीज के साथ मैक्सिमम 2 अटेंडेंट्स या परिजनों की एंट्री होती है। इन्हें भी देश छोड़ने के लिए 29 अप्रैल तक की मोहलत दी गई है।

मानवीय आधार पर इन नागरिकों को अन्य वीजा होल्डर्स की तुलना में 2 दिन ज्यादा दिए, ताकि वे अपना इलाज पूरा कर सकें और सुरक्षित वापस जा सकें। मेडिकल वीजा धारकों को अपने इलाज के दस्तावेज तैयार रखने को कहा गया है, ताकि जांच के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

इसके अलावा नई दिल्ली में पाकिस्तानी हाई कमीशन के डिफेंस, नेवी और एयरफोर्स के डिप्लोमैट्स को 'अन वॉन्टेड पर्सन' घोषित किया गया। इन्हें 30 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा।

भारत सरकार ने फिलहाल लॉन्ग टर्म वीजा (LTV) धारक पाकिस्तानी नागरिकों को आदेश से बाहर रखा है। LTV उन पाकिस्तानी अल्पसंख्यकों (विशेष रूप से हिंदुओं) को दिए जाते हैं, जो पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत में हमेशा के लिए रहना चाहते हैं।

लॉन्ग टर्म वीजा के तहत भारत सरकार आमतौर पर उन लोगों को शरण देती है, जो अपने देश में सुरक्षित नहीं है। LTV होल्डर्स भारत में लंबे समय तक रह सकते हैं और नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। इनमें ज्यादातर पाकिस्तानी हिंदू शामिल होते हैं, जो राजस्थान, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों में बसे हैं। सितंबर 2024 में गृह मंत्रालय ने 145 पाकिस्तानी हिंदुओं को LTV दिया था।

इसके अलावा पाकिस्तान के डिप्लोमैट्स या काउंसलर इस आदेश से बाहर हैं। इन अधिकारियों को इंटरनेशनल डिप्लोमेटिक प्रोटोकॉल के तहत किसी अन्य देश में नियुक्त किया जाता है। इनके लिए भारत छोड़ने की समय-सीमा अलग से तय की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील अश्विनी दुबे कहते हैं, 'भारत सरकार ने जिन पाकिस्तानी नागरिकों को देश से जाने के लिए कहा है, अगर वह आदेश का उल्लंघन करते हैं, तो उन्हें 'गैर-कानूनी विदेशी' माना जाएगा। ऐसे पाकिस्तानी नागरिक नए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत अपराधी माने जाएंगे। इन्हें 1 से 5 साल तक जेल या 10 से 50 हजार रुपए तक जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। सजा पूरी करने के बाद भारत सरकार उन्हें पाकिस्तान डिपोर्ट कर देगी।'

भारत में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 विदेशी नागरिकों के आने, रहने और जाने को कंट्रोल करता है। इसका मकसद देश की सुरक्षा को बनाए रखना और जासूसी और तस्करी जैसे कामों को रोकना है। नए कानून को 4 पुराने कानूनों से रिप्लेस किया गया-

फॉरेनर्स एक्ट, 1946

पासपोर्ट (एंट्री इनटू इंडिया) एक्ट, 1920

रजिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेनर्स एक्ट, 1939

इमिग्रेशन (कैरियर्स लायबिलिटी) एक्ट, 2000

इसके तहत वह व्यक्ति 'विदेशी' है, जो भारत का नागरिक नहीं है। इसमें पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं। अगर कोई पाकिस्तानी नागरिक वैध वीजा के बिना या वीजा खत्म होने के बाद भी भारत में रहता है, तो वह 'गैरकानूनी विदेशी' माना जाता है।

इस कानून के तहत अगर कोई विदेशी कानून का उल्लंघन करता है तो उसे अधिकतम 5 साल तक जेल और 10 हजार से 50 हजार रुपए तक जुर्माना हो सकता है। सजा पूरी करने के बाद अपराधी को देश से निकाल दिया जाता है और भारत में हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील ए.पी. सिंह कहते हैं, 'सीमा हैदर भारतीय हैं, वो भारतीय मीणा की मां है। भारत में उनका पति है, ससुराल है और यहीं शादी हुई है। उन्होंने अपना धर्म भी बदल लिया है। वे सनातन धर्म के रीति-रिवाज और परंपराओं के अनुसार रह रही हैं। ऐसे में उनका पाकिस्तान जाने का कोई सवाल पैदा नहीं होता।'

ए.पी. सिंह ने कहते हैं, 'सीमा हैदर का मामला अलग है, क्योंकि वे बिना वीजा के भारत आई थीं। सीमा नेपाल के रास्ते भारत आईं और हिंदू धर्म अपनाकर नेपाल में सचिन के साथ शादी की। फिर भारत आकर यहां शादी की। वे अपने सारे डॉक्यूमेंट्स भारत सरकार, गृह मंत्रालय और ATS को सौंप चुकी हैं। सीमा ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन दिया है, जिस पर राष्ट्रपति की मुहर लगना बाकी है। कोर्ट के आदेश पर वे रबूपुरा में रह रही हैं और अदालत के आदेश का पालन कर रही हैं।'

कूटनीति
विवेक शुक्ला

जंग हुई तो क्या चीन देगा पाक का साथ!

पहलगाम में 26 मासूम लोगों के कत्ल के बाद भारत-पाकिस्तान आमने-सामने हैं। क्या दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच जंग होगी? क्या जंग हुई तो चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा? इन सवालों पर समर नीति और कूटनीति के जानकार आजकल माथापच्ची कर रहे हैं। अगर बात कारगिल जंग (1999) की करें तो तब चीन ने पाकिस्तान का खुलकर या प्रत्यक्ष रूप से सैन्य या राजनयिक समर्थन नहीं किया था। भले ही चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे रणनीतिक संबंध हैं, जिन्हें अक्सर सदाबहार दोस्ती कहा जाता है। पाकिस्तान के नेता हर संकट के वक्त बीजिंग पहुंच जाते हैं कटोरा लेकर। दरअसल कारगिल संघर्ष के दौरान चीन की प्रतिक्रिया काफी सधी हुई थी। चीन ने तब आधिकारिक तौर पर भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने और बातचीत के माध्यम से मुद्दे को हल करने का आग्रह किया। यानी चीन उस समय पाकिस्तान के साथ खड़ा नहीं हुआ था। चीन ने नियंत्रण रेखा का सम्मान करने का दोनों पक्षों से आग्रह किया था। यह परोक्ष रूप से पाकिस्तान की आलोचना थी, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के चीनी विभाग के अध्यक्ष प्रो. तान चुंग का कहना था कि चीन बहुत प्रेक्टिल देश है। वह बहुत सोच-समझकर ही खुलकर किसी देश के साथ खड़ा होता है। जानकारों का कहना है कि जब कारगिल युद्ध के समय तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ़ समर्थन मांगने चीन गए, तो चीनी नेतृत्व ने उन्हें पीछे हटने और मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने की सलाह दी। चीन इस संघर्ष को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहता था। चीन का मत था कि दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध रहने चाहिए। दरअसल, तब चीन ने पाकिस्तान की कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की थी, पर उसने पाकिस्तान की कारगिल में सैन्य घुसपैठ का समर्थन भी नहीं किया था। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में चीन ने पाकिस्तान का समर्थन जरूर किया था, लेकिन 'खुलकर साथ' होने की व्याख्या थोड़ी जटिल है और दोनों युद्धों में उसकी भूमिका थोड़ी अलग थी। चीन ने 1965 की जंग के वक्त भारत की कड़ी आलोचना की और पाकिस्तान को अपना पूर्ण राजनयिक समर्थन दिया। चीन ने भारत पर सिक्किम सीमा पर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। उसने सीमा के पास अपनी सेना की कुछ गतिविधियां भी बढ़ाईं, जिससे भारत पर दूसरा मोर्चा खुलने का दबाव बना। यह पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक और रणनीतिक समर्थन था। हालांकि चीन ने धमकियां दीं और दबाव बनाया, लेकिन उसने भारत के खिलाफ सीधे तौर पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई नहीं की। उसका समर्थन मुख्यतः राजनयिक और मनोवैज्ञानिक दबाव तक ही सीमित रहा। वह सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुआ। चीन ने 1971 में भी पाकिस्तान का राजनयिक समर्थन जारी रखा और भारत के हस्तक्षेप की आलोचना की, खासकर संयुक्त राष्ट्र में। हालांकि 1971 में चीन का दबाव काफी कम था। कूटनीति मामलों के जानकार इसके कई कारण बताते हैं। भारत-सोवियत संधि (1971) ने चीन को हतोत्साहित किया, क्योंकि भारत पर हमले की स्थिति में सोवियत संघ के हस्तक्षेप की संभावना थी। चीन उस समय सोवियत संघ के साथ तनावपूर्ण संबंध रखता था। इसके साथ ही सर्दियों में हिमालय के दुर्गम दर्रों से बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करना चीन के लिए बहुत मुश्किल था। मतलब चीन ने 1971 में भी कोई सीधा सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया। एक बात समझ लें कि भले ही भारत-चीन के बीच सीमा विवाद है, पर चीन को मालूम है कि भारत उसके उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है। यह बात उसे आजकल खासतौर पर समझ आ रही होगी क्योंकि अमेरिका उस पर भारी-भरकम टैरिफ लगा रहा है। फिलहाल भारत-चीन के बीच सालाना आपसी व्यापार 125 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। समझ लें कि भारत-चीन ने तय कर लिया है कि इनका जटिल सीमा विवाद का कोई हल निकले या ना निकले, पर ये अपने आपसी कारोबारी संबंधों को प्रभावित नहीं होने देंगे। हमारा चीन के साथ कुछ साल पहले तक व्यापार घाटा 29 अरब रुपए तक का हो गया था। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी मानते हैं कि इस व्यापार घाटे को संतुलित करने की जरूरत है। पर फिलहाल सबकी निगाहें इस बात पर है कि भारत-पाक के बीच जंग वाली स्थिति बनी तो चीन किसका साथ देगा। तो जान लें कि चीन युद्ध की स्थिति में पाक का खुलकर साथ नहीं देगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित
दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

योजना बनाकर किए काम में मिलती है सफलता

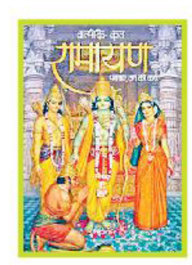

संकलित
प्रेरणा

रामायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

अंतर्मन

आज की पाती

सबसे पहले इन दुष्ट दानवों की लगाम कसी जाए

पहलगाम में आतंकियों के इस अत्यंत ही जघन्य, कायरतापूर्ण हमले के बाद सारे भारत में दुख, पीड़ा और आक्रोश की लहर फैल चुकी है। दुनिया भलीभांति जानती है कि भारत विश्वशांति का सबसे बड़ा समर्थक और संरक्षक रहा है, लेकिन आतंकवाद और उग्रवाद का जनक पाकिस्तान अगर ऐसे कायरता के दुषकार्य करता रहेगा, तो भारत सहित दुनिया के लगभग सभी देशों द्वारा पाकिस्तान के नेताओं, उग्रवादियों को कड़ा सबक सिखाकर स्थाई समाधान करना अनिवार्य हो जाता है। स्वयं और समस्त संसार की रक्षा और सुरक्षा करना भी हम सभी का परम कर्तव्य है। मानवता और विश्वशांति को धता बताने वाले इन पाकिस्तानी दुष्टो, दानवों को तुरंत ही धर दबोच कर कठोर दंड दिया जाए।

- विनय दीक्षित, रायगढ़

करंट अफेयर

श्रीलंका में बुद्ध के दांत के अवशेष की प्रदर्शनी संपन्न

भगवान बुद्ध के दांत के अवशेष की दुर्लभ प्रदर्शनी श्रीलंका के कैंडी शहर में संपन्न हुई। आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। यह प्रदर्शनी 18 अप्रैल को शुरू हुई और रविवार को समाप्त हुई। मुख्य बौद्ध भिक्षुओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि प्रदर्शनी देखने के लिए रिकार्ड संख्या में लोग एकत्र हुए। 2.1 करोड़ आबादी वाले देश में 74 प्रतिशत सिंहली बौद्ध बहुसंख्यकों के लिए बुद्ध के दांत के अवशेष का विशेष आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। हजारों बौद्ध श्रद्धालुओं ने 10 दिन की इस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया जो 2009 के बाद से इस तरह का पहला आयोजन था। आयोजकों का अनुमान था कि करीब 20 लाख श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि अनुमानित संख्या के आधे से भी कम लोग इसमें शामिल हुए क्योंकि अधिकारियों ने इतनी बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने में असमर्थता जताते हुए लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। कैंडी की नगर आयुक्त इंडिका कुमारी ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें खुशी है कि यह कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। लेकिन हमारे पास कैंडी में बनाए गए विभिन्न अस्थायी ढांचों को हटाने का बड़ा काम रह गया है।'

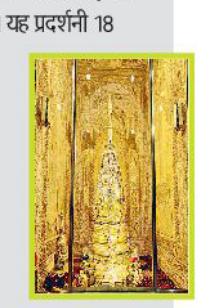

ऑफ बीट

खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3.4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है।

X ट्रेंड f

मार्क जे कार्नी को बधाई

मार्क जे कार्नी को कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में चुनने और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। हमारी साझेदारी के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अश्रुपूर्ण नमन

लेह-लद्दाख में वीरगति को प्राप्त हुए हरियाणा के लाल नवीन श्योराण को अश्रुपूर्ण नमन। प्रभु से दिवंगत आत्मा को शांति व शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। दुःख की घड़ी में हम उनके परिजनों के साथ खड़े हैं।

-नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

वैभव का निडर दृष्टिकोण

वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे।

-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

मुझे चुनने के लिए धन्यवाद

मुझे जो सम्मान दिया गया है, मैं उसे अपने राष्ट्र की भलाई के लिए काम करते रहने की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करता हूँ और मैं भारत सरकार को इस सम्मान के लिए मुझे चुनने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

रॉयल पत्रिका

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री ने ली ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसमें ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र तथा शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार से राज्य सरकार को भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतार रही है, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ जनता को लाभ मिल रहा हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्त मंत्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें। शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। इस लक्ष्य को हासिल करने में पीएम कुसुम योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में कम समय में ही लगभग 800 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्त आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए।

रबी सीजन के दौरान किसानों को हुई निर्बाध बिजली आपूर्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। पिछली राज्य सरकार की नीतियों की वजह से हमारी थर्मल इकाइयां कोयला आपूर्ति के संकट से जूझ रही थीं लेकिन केन्द्र सरकार के सहयोग से अब हमारे थर्मल बिजलीघरों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की है। साथ ही, फरवरी से अब तक की पीक डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट को भी पूरा किया गया है। उन्होंने केंद्रीय विद्त उत्पादन संयंत्रों के कॉमन पूल से प्रदेश को आवंटित अस्थायी विद्त कोटे के रूप में पूरा सहयोग देने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री से प्रदेश की पीक ऑवर्स में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली के आवंटन में बढ़ोतरी का आग्रह किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्री द्वारा सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान छू रहा विकास की नई ऊंचाइयां

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में खासतौर से अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। केन्द्रीय मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्थान विद्त प्रसारण निगम द्वारा दिसम्बर माह तक 355 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर्स में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पंप स्टोरेज एवं बैटरी स्टोरेज की क्षमता को तेजी से विकसित किया जाए।

पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ें अधिक से अधिक उपभोक्ता

मनोहर लाल ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदूषण मुक्त एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। बैठक में केन्द्रीय मंत्री को जानकारी दी गई कि राज्य बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ते हुए 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय विद्त मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत कार्यों में गति लाते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ा जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी विभागों सहित उपभोक्ताओं के आवास पर स्मार्ट प्री-पेड मीटर्स लगाने को प्राथमिकता दी जाए। इसमें केन्द्र सरकार द्वारा अंशदान भी दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र एक अच्छी पहल

नगरीय विकास विभाग की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में सीवरेज अनिवार्य रूप से हो तथा आवश्यकतानुसार पुराने और जर्जर सीवरेज को बदलने तथा एलाइनमेंट ठीक करने के कार्य भी किए जाएं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों की मदद तथा अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग के लिए शुरू किये गए मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र को अच्छी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

बैठक में पीएम ई-बस सेवा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना के तहत राजस्थान को 675 बसों का प्रारम्भिक आवंटन हुआ था।

राज्य सरकार के अनुरोध पर अब इसके लिए केन्द्र द्वारा अतिरिक्त 125 बसें भी दी जाएगी जिससे शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती मिलेगी। इस दौरान जयपुर मेट्रो परियोजना, अमृत 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सहित विभिन्न योजनाओं की राज्य में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

सुनिश्चित करना होगा कि एआई हमारी परंपराओं को खतरे में न डाले —केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य है लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह संस्कृतियों, विविध परंपराओं या रचनात्मक समुदायों को खतरे में न डाले।

यूएई के अबू धाबी में चल रहे कल्चर समिट—2025 मोंडिएकल्ट में मंत्री स्तरीय संवाद में 'संस्कृति और मानव रचनात्मकता पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव' शीर्षक वाले सत्र में शेखावत ने बताया कि भारत पारदर्शी, समावेशी, नैतिक, जिम्मेदार और हमारी समृद्ध सभ्यतागत विरासत में निहित एआई के निर्माण में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।

शेखावत ने संयुक्त अरब अमीरात के संस्कृति मंत्री शेख सलेम बिन खालिद अल कासिमी, स्पेन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उर्टसुन और यूनेस्को में संस्कृति के सहायक महानिदेशक अर्नेस्टो रेनाटो ओटोन रामिरेज के साथ चर्चा भी की।

कला संग्रहालय लौवर का दौरा—

शेखावत ने कला संग्रहालय लौवर, अबू धाबी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय कला, वास्तुकला और कहानी कहने का एक अद्त संगम है, जो संस्कृतियों को जोड़ता है। शेखावत ने कहा कि यह अद्त संग्रहालय मानव रचनात्मकता के माध्यम से एक अनूठी यात्रा प्रदान करता है। यह साझा करना भी अद्त है कि लौवर को जिन्होंने बनाया है, वो दिल्ली में भारत के युगे युगीन संग्रहालय को भी डिजाइन कर रहे हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक स्थलों में से एक होगा।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग के निदेशक मातादीन मीना ने सोमवार को राज्यभर से आए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों, प्रोग्राम अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता विभाग द्वारा संचलित आवासीय विद्यालयों में शत—प्रतिशत नामांकन, बच्चों की छात्रवृति, छात्रावासों में ड्रेस की डीबीटी जैसे संवेदनशील विषयों पर कार्य करना है।

निदेशक, अल्पसंख्यक मामलात विभाग ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उन्हें फ़ील्ड में जाकर ज्यादा से ज्यादा कार्य करना चाहिए जिससे वे समस्याओं की जड़ तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर विभाग के निर्माणाधीन आवासीय विद्यालयों का कार्य भी जल्द पूरा करवा लिया जाए जिससे आगामी सत्र में कक्षाओं का संचालन किया जा सके।

इस दौरान उपनिदेशक जावेद अली, सहायक निदेशक सुशील कुमार सहित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारीगण, प्रोग्राम अधिकारीगण सहित अल्पसंख्यक मामलात विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

वासुदेव देवनानी ने परशुराम सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में लिया भाग

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन सत्य, धर्म और न्याय का प्रतीक है। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका आदर्श हमें समाज में नैतिकता और न्याय की स्थापना की प्रेरणा देता है।

देवनानी ने सोमवार को परशुराम सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होनें कहा कि भगवान परशुराम ने समाज में व्याप्त अनीति का विरोध करते हुए धर्म की रक्षा की। उनका साहस और कर्तव्यपरायणता हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें उनके जीवन के आदर्शों को अपनाकर समाज में शांति, समृद्धि और सद्भावना स्थापित करनी चाहिए।

भगवान परशुराम एक महान योद्धा एवं विचारक थे। उन्होंने अपनी शक्ति का उपयोग समाज के संकटों से निपटने के लिए किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि जब भी समाज में अन्याय और अत्याचार फैलते हैं, तब उसे समाप्त करने के लिए हमें अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

देवनानी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लें और समाज में सत्य, धर्म और शांति को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि इस दिन को हम सभी को एक नए संकल्प के साथ मनाना चाहिएए ताकि हम समाज में भलाई के कामों को बढ़ावा दे सकें और हर स्तर पर समानता और भाईचारे की भावना को सशक्त बना सकें।

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भगवान परशुराम के आदर्श समाज के हर वर्ग के लिए प्रासंगिक है। उनके जीवन में जो संघर्ष था, वह आज भी हमें प्रेरित करता है कि समाज में न्याय, सम्मान और समानता की स्थापना होनी चाहिए। उनके सिद्धांतों को मानते हुए हम सभी को अपने दायित्वों को समझकर समाज की सेवा करनी चाहिए। देवनानी ने सभी को भगवान परशुराम की जयंती की शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना की।

राज्य सरकार जलवायु विकास एवं नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध— कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान में जलवायु विकास एवं नेतृत्व के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया।

डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राजस्थान की जलवायु मुख्यतः शुष्क से उप-आद्र मानसूनी है, जिससे राज्य के पश्चिमी भाग में अत्यधिक शुष्क एवं मरूस्थलीय जलवायु है जबकि पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा और उप आद्र जलवायु है। यहां की जलवायु में गर्मी और सर्दी दोनो चरम तापमान पर होते हैं और वर्षा की मात्रा में भी अनियमितता होती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में जलवायु परिवर्तन नीति बनाई हुई है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना और इस दिशा में प्रभावी उपाय करना है। राजस्थान को भारत के सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में जाना जाता है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने के लिए राज्य कार्य योजना पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

राजस्थान को भारत के चार सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में पहचाना गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रति संवेदनशील है और इस दिशा में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई उपाय किये जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम व वर्षा में अप्रत्याक्षितता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक गर्मी हो रही है।

उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है और राज्य सरकार इस दिशा में विकास और नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी उपाय किये जा रहे हैं। राज्य सरकार इस दिशा में अहम काम कर रही है। राज्य पर्यावरण नीति के तहत मानव, स्वास्थ्य, कृषि पशुपालन, सौर ऊर्जा, उन्नत ऊर्जा, दक्षता और जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य की जलवायु नीति और कार्य योजना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समयबद्ध तरीके से चरणबद्ध कार्यवाही पर केन्द्रित है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके और राज्य के विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में आएगा लगभग 892 एमसीयूएम जल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मध्यप्रदेश के गांधी सागर बांध से रावतभाटा स्थित राणा प्रताप सागर बांध में लगभग 892 मिलियन घन मीटर (एमसीयूएम) जल आएगा। राजस्थान सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार की मांग पर उनकी महत्त्वाकांक्षी पंप स्टोरेज परियोजना के निर्माण के लिए गांधी सागर बांध का जलस्तर घटाने के परिप्रेक्ष्य में अहम निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आगामी सप्ताह में ही गांधी सागर बांध से जल प्रवाह कार्य शुरू किए जाने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि इस सम्बंध में प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश ने 29 मार्च, 2025 को जल संसाधन विभाग, राजस्थान को पत्र लिखा था। इसमें गांधी सागर बांध के जलस्तर को कम करने के लिए राजस्थान सरकार से अनुरोध किया गया था। वर्तमान में (25 अप्रैल, 2025 की स्थिति) गांधी सागर बांध का जलस्तर 395.003 मीटर है।

राणा प्रताप सागर में ही गुंजाइश

चंबल नदी प्रणाली के तहत राजस्थान में राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और कोटा बैराज स्थित हैं। तीनों ही जगह जल भंडारण की क्षमता सीमित है। वर्तमान में उपलब्ध जलस्तर के अनुसार, राणा प्रताप सागर बांध में लगभग 892 एमसीयूएम, जवाहर सागर बांध में 10.76 एमसीयूएम और कोटा बैराज में 3.60 एमसीयूएम तक ही जल संग्रहित किया जा सकता है। ऐसे में गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में उपलब्ध शेष भराव लगभग 892 एमसीयूएम की सीमा तक ही जल प्रवाहित किया जा सकेगा।

ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत रहेगा उपयोगी

राजस्थान सरकार ने व्यापक विश्लेषण एवं भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राणा प्रताप सागर बांध में संग्रहित जल आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित होगा। राणा प्रताप सागर बांध से विद्त उत्पादन के लिए भी जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

यह निर्णय हमारी सरकार की दूरदर्शी नीति, जल आवश्यकताओं और परस्पर सहयोग की दृष्टि से लिया गया है। भविष्य में भी दोनों राज्यों के बीच जल संसाधनों के समुचित प्रबंधन और उपयोग के लिए समन्वय बना रहेगा।'

जनसमस्याओं के समाधान में कोताही न बरतें अधिकारी - लोकसभा अध्यक्ष

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कोटा में आयोजित बैठक में कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र की विभिन्न पेयजल परियोजनाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और ऊर्जा राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर भी उपस्थित रहे।

बिरला ने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य कर गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

कई परियोजनाओं में देरी की जानकारी मिलने पर ओम बिरला ने पीएचईडी मंत्री को कहा कि प्रोजेक्ट को डिले करने वाले ठेकेदारों को चेतावनी दी जाए और यदि इसके बावजूद सुधार नहीं होता है तो उन्हें स्थाई रूप से ब्लैकलिस्ट किया जाए। बिरला ने अधिक जल संकट वाले क्षेत्रों में सभी पहलुओं का आंकलन कर नए प्रस्ताव तैयार करने, समर कंटीजेंसी योजना में हैंडपंप, ट्यूबवेल, टंकी और पाइपलाइन से जुड़े अधूरे कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए।

बैठक में नवनेरा, परवन-अकावद, बोराबास-मंडाना, रामगंजमण्डी जलापूर्ति परियोजना सहित प्रमुख योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने जल जीवन मिशन के तहत किए गए कनेक्शनों, अमृत 2.0 योजना व बजट घोषणा के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति से भी अवगत कराया।

50 वर्षों का जरूरतों को रखें ध्यान-

बिरला ने नई पेयजल योजनाओं का प्रारूप तैयार करते समय क्षेत्र में 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि पेयजल पाइपलाइन और सीवरेज लाइन के लिए खोदी गई सड़कों की समय पर मरम्मत की जाए, भविष्य में किसी भी सड़क निर्माण या इंटरलॉकिंग कार्य से पहले सभी भूमिगत कार्य पूरे कर लें ताकि सड़कों को बार-बार तोड़ने की जरूरत न पड़े और जनता को असुविधा से बचाया जा सके।

हर खबर पर संज्ञान लेकर समाधान करें-

बिरला ने मीडिया में प्रकाशित/प्रसारित पेयजल आपूर्ति संबंधी खबरों पर गंभीरता से कार्रवाई करने और पीएचईडी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने की गई कार्रवाई के संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जलापूर्ति परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए पीएचईडी के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुभव का लाभ लिया जाए।

फील्ड मॉनिटरिंग बढ़ाएं, अवैध कनेक्शनों पर सख्त कार्रवाई हो-

बैठक में पीएचईडी मंत्री ने अवैध कनेक्शनों पर रोक लगाने और पुलिस सहयोग से उन्हें हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरडदा परियोजना में डिज़ाइन और जल उपलब्धता के अनुसार ही कनेक्शन स्वीकृत किए जाएं तथा पाइपलाइन बिछाने के बाद मलबे का उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में जाकर परियोजनाओं की फील्ड मॉनिटरिंग करने और आवश्यकता के अनुसार जल आपूर्ति बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, राकेश जैन, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, लोकसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव गौरव गोयल, कोटा संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, कोटा जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, बूंदी जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, सांगोद प्रधान जयवीर सिंह, सुल्तानपुर प्रधान कृष्णा शर्मा, इटावा प्रधान रिंकू मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		पानी के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जनरल नॉलेज परीक्षा में मिले पुरस्कार

-कंप्यूटर शिक्षा में क्रांति लाने के लिए चलाया गया अभियान

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। आयत ई मित्र कंप्यूटर सेंटर और नवीन जोधाणा जागरुक मंच संस्थान जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में बच्चों के लिए जनरल नॉलेज परीक्षा रखी गईं और इस परीक्षा में करीब 100 बच्चों ने पार्टिसिपेट किया परीक्षा में हर एक बच्चे को पुरस्कार दिया गया।

पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिले - कार्यक्रम संयोजक आसिफ खान सिन्धी ने बताया कि 100 अंक अर्जित करने वाले परीक्षार्थियों को 5100 रूपए का नकद पुरस्कार और कोई भी एक कंप्यूटर कोर्स फ्री करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मकसद बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा से कंप्यूटर कोर्स के प्रति जागरूक करना है आज के दौर में हर क्षेत्र के लिए कंप्यूटर शिक्षा जरूरी है इसलिए समय-समय पर विभिन्न तरह की योजना बनाकर कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रेरित करने का काम निरंतर जारी है।

नवीन जोधाणा जागरुक मंच के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि अतिथि उमेशजी लीला, मोहम्मद अतीक, मोहम्मद निसार, राज श्री, इकबाल अली रंगरेज, पठान खान मेहर और साजिद खान ने बच्चों को सम्बोधित किया।

इस मौके पर समाजसेवी इंसाफ अली भाईजान, अब्दुल रहीम सांखला, रशीद अंसारी, एच के कायमखानी, शौकत खान, वीना राठौड़, मोहम्मद जावेद, राज गुप्ता,कृष्णाजी, मोहम्मद हारुन, इमरान कुरेशी, अजहरुद्दीन, शमसुल, आजम, गुलफान खान सिंधी, मोहम्मद आमान, अब्दुल रहीम अब्बासी, अरजान खान, आयत खान, आरिया खान, समिदा राजड़ आदि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का सैनिक स्कूल झुंझुनू दौरा: बालिका छात्रावास का किया उद्घाटन

-उप मुख्यमंत्री ने कैडेट्स को दिया सेवा और समर्पण का संदेश

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सैनिक स्कूल झुंझुनू का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सैनिक स्कूल झुंझुनू में नव निर्मित 80-बेड के बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया तथा विद्यालय के कैडेट्स को राष्ट्र निर्माण, सेवा भावना एवं आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य कर्नल अनुराग महाजन, स्टाफ और कैडेट्स ने उनका भव्य स्वागत किया।

अकादमिक भवन में कैडेट्स को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा मात्र एक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने सैनिक स्कूल झुंझुनू के शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विद्यालय विद्यार्थियों को एक समावेशी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, "यह देखकर अत्यंत गर्व होता है कि हमारे युवा कैडेट्स अभी से सेवा भावना, नैतिकता और देशभक्ति जैसे मूल्यों को आत्मसात कर रहे हैं। यह आने वाले समय में एक सशक्त भारत का आधार बनेगा।"

बालिका छात्रावास का उद्घाटन

इस दौरान उन्होंने नव निर्मित बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया । 80-बेड वाले इस छात्रावास को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जो बालिकाओं की शिक्षा एवं विकास को सशक्त आधार प्रदान करेगा। उद्घाटन के पश्चात उपमुख्यमंत्री ने माँ सरस्वती के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की और छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने इसे केवल एक भवन न मानते हुए बेटियों के समान अवसरों की दिशा में राज्य सरकार की गंभीर प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, "यह छात्रावास महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बेटियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाएगा।" इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल में वृक्षारोपण भी किया ।

खेलों में उत्कृष्टता की सराहना

सैनिक स्कूल झुंझुनू की हालिया उपलब्धि—अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल फुटबॉल प्रतियोगिता-2025 में अंडर-17 बालिका वर्ग में विजेता बनने पर उपमुख्यमंत्री ने कैडेट्स से संवाद कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में विद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और प्राचार्य सहित पूरे प्रशासनिक तंत्र को बधाई दी।

स्कूल का किया निरीक्षण

अपने दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया और नव निर्माणाधीन गतिविधि स्थलों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया और उपमुख्यमंत्री ने आगंतुक पंजिका में हस्ताक्षर किए ।

ये रहे मौजूद

इस दौरान 61 सब एरिया के डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर संजीव कुमार, सैनिक स्कूल झुंझुनू के प्राचार्य कर्नल अनुराग महाजन, झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अजीत सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी सहित स्कूल स्टाफ व कैडेट्स मौजूद रहे ।

हमारे डीडवाना जिले की विशेष ग्राम पंचायत केराप की महिला शक्ति के लिए आज बहुत बड़ा और गर्व का दिन

डीडवाना, (रॉयल पत्रिका)। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा राजस्थान की सुप्रसिद्ध भजन और प्रख्यात लोक मांड गायिका श्रीमती बेगम बतूल को उनके अद्वितीय योगदान हेतु "पद्म श्री" पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर लाडनूं विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी की ओर से श्रीमती बेगम बतूल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं तथा उज्वल भविष्य की कामना की है तथा राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

बता दें की मूल रूप से डीडवाना क्षेत्र के ग्राम केराप गांव की भजन गायिका श्रीमती बेगम बतुल की यह गौरवशाली उपलब्धि राजस्थान की समृद्ध, सांस्कृतिक परम्पराओं और लोक कलाओं की जीवंतता का भी प्रतिनिधित्व करती है।

आमजन की समस्याओ का समाधान हो कैबिनेट मंत्री कुमावत

पाली, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप आमजन की समस्याओ के समाधान के लिए समय 2 पर मंत्री व विधायक अपने क्षेत्र में समय-समय पर जनसुनवाई कर जनता की समस्या का समाधान कर रहे हैं, मंगलवार को कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने विधायक कार्यालय पर जनसुनवाई की, जनसुनवाई में विद्त विभाग, नगर पालिका, जल संसाधन विभाग समेत अन्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया, मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को आमजन के कार्य समय पर पूरा करने और समस्याओं के समाधान के लिए निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने बिजली, पानी, सड़क, की सुविधा समय पर जनता को मिले, बिजली की कटौती नहीं हो समय पर जनता को पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जनसुनवाई में आए हुए शिकायतों को सुना और समाधान के निर्देश दिए,जनसुनवाई में इओ नरपत सिंह राजपुरोहित, अक्षय कुमावत सहायक अभियंता जल संसाधन विभाग सुमेरपुर, विद्त विभाग के अधिकारी जनसुनवाई में मौजूद थे।

इस अवसर पर उन्होंने विधान सभा क्षेत्र प्रवास के दौरान तखतगढ़ नगर पालिका में स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों, सार्वजनिक बस स्टैंड के आंतरिक मार्गों एवं नगर पालिका में प्रगतिरत नाला निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण भी किया इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, निर्माण कार्य में तेज़ी लाने, एवं निर्धारित समय-सीमा में परियोजनाओं को पूर्ण करने हेतु विशेष निर्देश दिए।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शनिवार को बारां स्थित निजी होटल में जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक विकास अग्रवाल रहे। उन्होंने महिलाओं के लिए वित्तीय योजना बनाने के आवश्यक ज्ञान और कौशल के विकास पर बल दिया, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने वित्तीय निर्णय स्वयं ले सकें।

रिजर्व बैंक जयपुर के प्रबंधक कपिलकांत सैनी ने ऋण योजनाओं, बीमा उत्पादों और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं, रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक जे.के. नायर ने विभिन्न ऋण योजनाओं और साइबर सुरक्षा उपायों पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

सैन्ट्रल बैंक कोटा के क्षेत्रीय प्रमुख गौरव त्यागी ने भी वित्तीय साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया। नाबार्ड के डीजीएम आर.पी. शर्मा ने वित्तीय धोखाधड़ी के प्रकारों और उनसे बचाव के उपायों पर एक प्रभावी प्रस्तुति दी।

रिजर्व बैंक की सहायक महाप्रबंधक मृदुला माहेश्वरी ने डिजिटल सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी से संबंधित जानकारी साझा की। इसके साथ ही कपिलकांत सैनी ने नोट वापसी नियमों और जाली नोटों की पहचान पर विशेष चर्चा की।

शिविर के समापन पर प्रतिभागियों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस अवसर पर एवीआरकेजीबी (रिजनल मैनेजर बारां) एस.एन. बैरवा, नाबार्ड डीजीएम आर.पी. शर्मा, राजीवीका डीवीएम राजीव तोमर, एफएलसीसी, रुड़सेठी, सीएफएल इंचार्ज तथा एसबीआई, सीबीआई, यूको बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सहित अन्य बैंकों के स्टेकहोल्डर, एसएचजी समूह की महिला सखी व बैंक सखी, एफपीओ (किसान समूह) और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए एमएसएमई उद्यमी व व्यवसायी उपस्थित रहे।

सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बारां के अग्रणी जिला प्रबंधक जनवेद मीना ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और समुदाय में आर्थिक जागरूकता को विकसित करना था। अंत में अग्रणी जिला प्रबंधक मीना ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

नशे के मरीजों के लिए 5 मई को विशेष शिविर

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा के अनुरूप जिले में 25 बेड की क्षमता वाला सरकारी अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र संचालित है। इस केंद्र का प्रमुख उद्देश्य नशे की चपेट में आए व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें जागरूक करना, परामर्श देना और उचित चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही समाज में नशे के प्रति जागरूकता फैलाना, युवाओं को इस बुराई से बचाना तथा पुनर्वास की दिशा में कार्य करना इस योजना के अंतर्गत आता है।

यह केंद्र निशुल्क आवास, भोजन, चिकित्सकीय परामर्श, योग अभ्यास और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। मनोचिकित्सकों की टीम द्वारा प्रत्येक मरीज की जांच के उपरांत ही उसे केंद्र में भर्ती किया जाता है। इसमें केवल हनुमानगढ़ जिले के मूल निवासी नशाग्रस्त व्यक्तियों को ही केंद्र में प्रवेश की पात्रता है। यह प्रवेश राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित शिविरों या जिला चिकित्सालय की ओपीडी में मनोचिकित्सक द्वारा परामर्श के बाद ही संभव है।

5 मई को विशेष शिविर

केंद्र में आगामी 5 मई, 2025 को सुबह 10:00 बजे से 02:00 बजे तक कोहला स्थित सरकारी अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र, यू टर्न संस्थान में एक विशेष नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें डॉ. ओ.पी. सोलंकी सहित चिकित्सा विभाग की टीम मौजूद रहेगी। शिविर में चिन्हित व्यक्तियों की काउंसलिंग कर, डॉक्टर ओ.पी. सोलंकी मनोचिकित्सक की सिफारिश पर उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। जरूरतमंद नशे के मरीज इस शिविर का लाभ उठा सकते है।

शौर्य उद्यान को आधुनिक वॉर मेमोरियल के रूप में किया जाएगा विकसित : दिया कुमारी

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को झुंझुनूं जिले के दोरासर स्थित सैन्य शक्ति स्मारक का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जिले के वीर शहीदों की अमर गाथा को सहेजने के लिए शौर्य उद्यान को एक आधुनिक वॉर मेमोरियल के रूप में पुनः विकसित किया जाएगा।

दिया कुमारी ने कहा, "झुंझुनूं की धरती वीरों की जन्मभूमि रही है। यहां के शहीदों ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर कर देश का गौरव बढ़ाया है। उनके सम्मान में बनाए गए शौर्य उद्यान को अब अत्याधुनिक सुविधाओं से सजाया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके बलिदान से प्रेरणा ले सकें।"

इस दौरान झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी मौजूद रहे ।

स्वास्थ्य समिति की बैठक: योजनाओं की धीमी प्रगति पर जिला कलेक्टर ने जताई चिंता

-कर्मयोगी पोर्टल पर सर्वाधिक प्रशिक्षण वालों का सम्मान

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की फ्लैगशिप योजनाओं, ढांचे से जुड़े कार्यों और मौसमी चुनौतियों को लेकर समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पीएम आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत लंबित कार्यों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसियों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। लाडो प्रोत्साहन योजना में प्रथम किश्त से वंचित लाभार्थियों के प्रकरण में असंतोष जताते हुए एक सप्ताह में सभी लंबित भुगतान पूरे करने को कहा। साथ ही कम वजन नवजात शिशुओं के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी जारी किए गए।

हरियालो राजस्थान और हीट वेव को लेकर निर्देश

चिकित्सा विभाग को हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 10,000 पौधों का लक्ष्य मिला है। कलेक्टर ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को वृक्षारोपण के लिए स्थान चयन, प्रभारी नियुक्ति और पूर्व में लगाए पौधों की वेरिफिकेशन रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

हीट वेव से बचाव के लिए सभी सीएचसी में एसी, कूलर, पंखे, वाटर कूलर और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी एक वार्ड को एसी वार्ड के रूप में विकसित करने का प्रयास करें।

ई-आरोग्य पोर्टल का प्रशिक्षण

इस मौके पर मानस नशा मुक्ति अभियान की मॉनिटरिंग के लिए ई-आरोग्य पोर्टल का प्रशिक्षण दिया गया। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि अब मरीजों की भर्ती और दवाओं का रिकॉर्ड पोर्टल पर देखा जा सकता है। सभी बीसीएमओ को निरीक्षण के दौरान पोर्टल पर डाटा जांचने के निर्देश दिए गए।

टीकाकरण अभियान और टिब्बी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा

कलेक्टर ने मनरेगा कार्यों की सूची प्राप्त कर हर 15 दिन में नरेगा साइट, विद्यालय, मंडी व ईंट भट्टों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। स्वच्छ पेयजल के लिए अंतिम छोर के गांवों से पानी के नमूने जांच हेतु भेजने की बात कही गई। 25 से 30 अप्रैल तक चल रहे विशेष टीकाकरण अभियान की प्रतिदिन रिपोर्टिंग के निर्देश दिए गए। साथ ही टिब्बी मुक्त अभियान के लिए ग्राम पंचायतवार एक्शन प्लान बनाकर भेजने को कहा गया।

कर्मयोगी पोर्टल पर सर्वाधिक प्रशिक्षण वालों का सम्मान

आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल पर विभाग के सभी अधिकारियों को कम से कम 5 कोर्स अनिवार्य रूप से पूरे करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रशिक्षण में अव्वल रहने वालों में श्रीमती बाला (एएनएम) प्रथम, डॉ. साहिल सहारण द्वितीय और डॉ. मनोज अरोड़ा तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें जिला कलेक्टर ने सम्मानित किया।

जूडो कराटे के संस्थापक जयशंकर टाईगर की 25 वीं पुण्यतिथि पर खिलाड़ियों ने दी श्रद्धांजलि

भरतपुर, (रॉयल पत्रिका)। जूडो कराटे क्लब के संस्थापक स्वर्गीय जयशंकर टाईगर की 25 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किला स्थित टाईगर क्लब में किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मौजूद अतिथियों में क्लब की अध्यक्षा प्रतिभा शर्मा, सेवानिवृत्ति व्याख्याता कमलेश शर्मा, अन्नपूर्णा रसोई निर्देशक विष्णु दत्त शर्मा, सेवानिवृत्ति व्याख्याता नीलम शर्मा, वसुंधरा राजे समर्थक मंच प्रदेश मंत्री हरीश पाठक, नेशनल जूडो चैंपियन पोहप सिंह जादौन एवं ताइक्वांडो संघ अध्यक्ष पवन पाराशर ने जयशंकर टाईगर की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर व दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर क्लब के खिलाड़ियों ने जूडो, कराते एवं ताइकांडो का प्रदर्शन किया जिसमें खिलाड़ियों ने किक, पंच, ब्लाक, काता, पूम्से का प्रदर्शन किया। सेवानिवृत्ति व्याख्याता नीलम शर्मा ने अपने उद्बोधन में जूडो कराटे के क्षेत्र में भरतपुर को आगे ले जाने में व युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण देने में जयशंकर टाईगर के योगदान की सराहना की। सेवानिवृत्ति व्याख्याता कमलेश शर्मा ने भी बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल व कॉलेज में वूमन डिफेंस प्रोग्राम चलाने पर बल दिया। नेशनल जूडो चैंपियन पोहप सिंह जादौन ने बताया कि मार्शल आर्ट खेल से खिलाड़ियों का एनर्जी लेवल एवं स्टेमिना में विकास होता है।

कार्यक्रम का संचालन भरतपुर ताइक्वांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में टाईगर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर एनआईएस कोच ने क्लब की तरफ से सभी प्रबुद्ध नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर, कराटे चैंपियन नेहा शर्मा, ताइक्वांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा, एम एस जे कॉलेज सहायक ताइक्वांडो खिलाड़ी त्रिशांक सेन, तुषार पठानिया, लिटिल टाइग्रेस राम्या शर्मा, ऐश्वर्य शर्मा, यूनिवर्सिटी चैंपियन लवली माहौर, युवराज सिंह, विशाल जाटव, गुड़िया सेन, अमन महेश्वरी, प्रबल लवानिया, यशस्वी राजपूत, रौनक कोली आदि सदस्यों ने श्रद्धांजलि देते हुए क्लब के खिलाड़ियों को अपने उद्बोधन से लाभान्वित किया।

वासुदेव देवनानी के निवास पर नामदेव समाज द्वारा स्वागत व अभिनन्दन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। अजमेर शहर की प्रमुख सड़क आगरा गेट से अग्रसेन चौराहा तक के मार्ग को अब संत शिरोमणि नामदेव महाराज के नाम से जाना जाएगा। इस नामकरण को लेकर समाज में हर्ष का माहौल है।

मंगलवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अजमेर स्थित निवास पर नामदेव टांक क्षत्रिय समाज संस्थान अजमेर तथा नामदेव विट्ठल मंदिर एवं पंचायत भवन छप्पन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समाज के प्रतिनिधियों ने देवनानी का माल्यार्पण कर आभार प्रकट किया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय संत नामदेव महाराज की संत परंपरा व आध्यात्मिक योगदान को स्मरण करने हेतु एक ऐतिहासिक कदम है।

इस अवसर पर अनीश गोयल, राकेश वर्मा, तिर्लोक चंद नामा डॉ. बी.आर. छीपा (पूर्व कुलपति), दिनेश बंधीवाल, विनय दोसाया (मंत्री) संजीव नागर (पूर्व पार्षद), प्रहलाद छीपा, नंदलाल छीपा (संरक्षक), संतोष कुमार छीपा, अशोक कुमार छीपा विष्णु कुमार छीपा, राजेश मेडतवाल, टीकम जी बाकलीवाल, ताराचंद कांणीगांवा सहित समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी व युवा उपस्थित रहे। समारोह में देवनानी ने भी समाज को इस उपलब्धि हेतु शुभकामनाएं दीं और कहा कि संतों के नाम से मार्गों का नामकरण जनमानस को सद्भाव, प्रेरणा और सेवा की भावना देता है।

पेयजल आपूर्ति को लेकर जिला कलेक्टर ने लिया विभिन्न नहरों का जायजा

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर काना राम ने मंगलवार को पेयजल आपूर्ति के मद्देनजर विभिन्न नहरों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सीपी चार, नहराना हैड, काजल हैड, टोहाना हैड का निरीक्षण किया।

इस मौके पर जल संसाधन विभाग के एसई संजीव शर्मा, एक्सईएन राजेंद्र सिंह, एसई शिवचरण, सिरसा जल संसाधन विभाग के एक्सईएन संदीप सिंह, श्याम सिंह मौजूद रहे।

देश में वैल्यू ऐडिशन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत की जाने वाली यह सबसे महत्वपूर्ण योजना है: चौधरी

मुंबई, एजेंसी। डॉ. अजय चौधरी, एचसीएल के संस्थापक, ऐपिक फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा कि मैं पैसिव कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम की घोषणा का स्वागत करता हूँ। वित्त वर्ष 26 से वित्त वर्ष 32 तक 6 वर्षों की अवधि के लिए 22,919 करोड़ के स्वीकृत परिव्यय के साथ, यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में भारत के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सरकार शुरू से ही सही दिशा में आगे बढ़ रही है, उसने सेमीकंडक्टर मिशन की घोषणा की है, जो देश के लिए ऐक्टिव कम्पोनेंट और सेमीकंडक्टर चिप्स बनाएगा। इससे पहले, सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक प्रमुख पीएलआई कार्यक्रम की भी घोषणा की थी, जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत में रोजगार और यहां से होने वाला निर्यात भी बढ़ा है। इसके बाद, यह देश में वैल्यू ऐडिशन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत की जाने वाली सबसे महत्वपूर्ण योजना है। और यह कुछ ऐसा है जिसके होने का मैंने दशकों से इंतजार किया है। यह बहुत अहम है क्योंकि कदम दर कदम, सरकार ने हर उस पहलू पर काम किया है जिसकी उद्योग को जरूरत थी। और यह इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम है।

यह पहल भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है, जो देश को वैश्विक बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित करेगा।

सरकार की पहल: नौकरी के लिए नहीं छोड़ना पड़ेगा घर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के दौरान पहली बार घर से काम करने के कल्चर से लोग रूबरू हुए। उसी तर्ज अब केंद्र सरकार 'अपने गृह नगर में नौकरी' के नए विचार पर काम कर रही है। अगर यह पहल सफल रही तो पहली बार नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अब अपने मूल स्थान को छोड़कर दूसरे शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय एक ऐसा सिस्टम विकसित कर रहा है, जिसमें नौकरी चाहने वालों को स्थान, क्षेत्र, नियोक्ता, वेतनमान, आवश्यक कौशल और अन्य विशेषताओं के आधार पर नौकरियों को फिल्टर करने के विकल्प

मिलेंगे। मंत्रालय पीएम गति शक्ति पोर्टल पर नौकरी के आंकड़ों की मैपिंग कर रहा है। मंत्रालय का राष्ट्रीय करिअर सेवा (एनसीएस) पोर्टल नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों को जोड़ने वाले डिजिटल बाजार के रूप में कार्य करता है, जो बाजार में नौकरी की मांग और आपूर्ति को प्रभावी ढंग से संरेखित करता है। मंत्रालय एनसीएस जॉब डाटा को पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। जम्मू-कश्मीर और गुजरात ने पहले ही इस दिशा में प्रगति कर ली है।

41 लाख नियोक्ता इस प्लेटफॉर्म से जुड़े- करीब 41 लाख नियोक्ता इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। जबकि, एक करोड़ से अधिक संभावित नौकरी चाहने वालों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

40 किलोमीटर के दायर में नौकरी- पीएम गति शक्ति को एनसीएस पोर्टल के साथ एकीकृत करके रोजगार अवसरों को जियो-टैग किया जा सकता है। एक समर्पित मोबाइल एप युवाओं को 20-40 किलोमीटर के दायरे में आसपास के रोजगार के अवसरों की खोज करने में सक्षम बनाएगा।

सीमित कौशल वालों को मिलेगा लाभ- यह विशेष रूप से नौकरी चाहने वालों, सीमित कौशल वाले लोगों को लाभान्वित करेगा, जो अब तक अत्यधिक रोजगार योग्य नहीं हैं, जिससे उन्हें अपने समुदायों में रहते हुए कमाई करने का अवसर मिलेगा।

गोल्डमैन सैक्स ने

बल्क डील में खरीदे वोडाफोन आइडिया के करोड़ों के शेयर

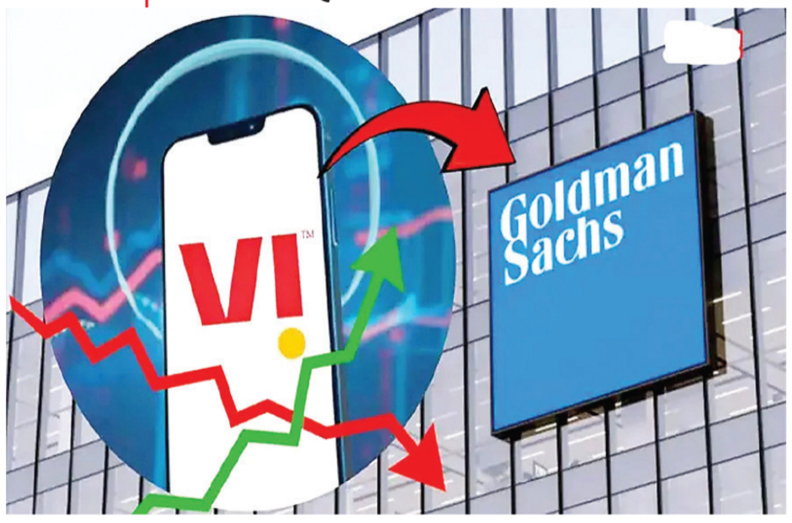

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार खुलते ही वोडाफोन आइडिया के शेयर में सुबह ही तेजी दिखी। ऐसा इसलिए, क्योंकि गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई ने कंपनी में लगभग 0.55 प्रतिशतहिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी उन्होंने बल्क डील के जरिए खरीदी है।

कितने के खरीदे शेयर- गोल्डमैन सैक्स ने 457.96 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। बताया जाता है कि यह एक बड़े सौदे का हिस्सा है। इस सौदे में नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने वीआई में अपनी 0.95 प्रतिशतहिस्सेदारी बेची। इससे उन्हें 785.67 करोड़ रुपये मिले। ह्स्ब्र के आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने वीआई के 102.7 करोड़ शेयर बेचे। उन्होंने ये शेयर 7.65 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बेचे। गोल्डमैन सैक्स मुख्य खरीदारों में से एक था। लेकिन, बाकी खरीदारों के बारे में जानकारी अभी नहीं मिली है।

नोकिया को घाटा हुआ

पिछले साल, वीआई ने नोकिया को 102.7 करोड़ इक्विटी शेयर दिए थे। ये शेयर 14.80 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से दिए गए थे। यह एक खास डील थी। इससे वीआई को लगभग 1,520 करोड़ रुपये का बकाया चुकाने में मदद मिली थी। नोकिया की भारतीय इकाई के पास वीआई में 1.47 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उल्लखनीय है कि सरकार ने हाल ही में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने वोडाफोन आइडिया के बकाया स्पेक्ट्रम शुल्क को इक्विटी में बदल दिया था। यह राशि 36,950 करोड़ रुपये थी। इससे सरकार की हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशतसे बढ़कर लगभग 49 प्रतिशतहो गई है। इस बल्क डील के बाद वोडाफोन आइडिया में नोकिया की हिस्सेदारी घटकर लगभग 0.95 प्रतिशतहो गई है।

वोडाफोन आइडिया के शेयर पर क्या असर

पिछले सप्ताह बीएसई में वीआई के शेयर 7.47 रुपये पर बंद हुए थे। थोड़ी ही देर में यह चढ़ कर 7.58 रुपये पर चला गया। सुबह 9.53 बजे यह 7.49 रुपये पर ट्रेड कर रहा था जो कि कल के बंद भाव के मुकाबले 0.27 फीसदी अधिक है।

10 साल बाद भारी भरकम मुनाफा बांटेगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड के शेयर सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशततक चढ़कर 8771.55 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 5 फेस वैल्यू के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 265 के अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी। इसके लिए रिकॉर्ड तिथि 8 मई तय की गई है। शेयरधारकों को डिविडेंड का भुगतान 17 मई, 2025 तक किया जाएगा। बता दें कि यह कंपनी का पिछले दस सालों में अब तक का सबसे अधिक डिविडेंड है। इससे पहले कंपनी ने साल 2014 में 485 रुपये का डिविडेंड दिया था।

क्या है डिटेल- रेकल फाइनेंशियल सर्विसेज ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और साल के लिए अपने वित्तीय नतीजे जारी कर दी है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में बड़ा मार्जिन और प्रॉफिट दर्ज किया। जबकि कंपनी की टॉपलाइन सपाट रही, मार्जिन 300 आधार अंकों से बढ़कर 44.6 प्रतिशतहो गया। लाभ 18-19 प्रतिशतबढ़ा। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मकरंद पडलकर ने कहा, हमने पूरे वर्ष के लिए 44 प्रतिशतके ऑपरेटिंग मार्जिन के साथ मजबूत आपरेशनल परफॉर्मेंस बनाए रखा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 180 आधार अंकों का सुधार है।

सप्लाई ठप होने से ड्राई फ्रूट्स के दाम बढ़े, पहलगाम हमले के बाद अटारी-वाघा बॉर्डर बंद, दिखने लगा असर

और बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से अमृतसर में अटारी-वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया गया है। बॉर्डर बंद होने से भारत और अफगानिस्तान के व्यापार में भी असर पड़ने लगा है। आलम यह है कि बीते चार दिनों से अफगानिस्तान से आने वाले ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई ठप हो गई है। जिसका असर बाजारों में दिख रहा है। कारोबारियों के मुताबिक, अफगानिस्तान से सप्लाई ठप होने से ड्राई फ्रूट्स के दाम में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कारोबारियों का दावा है आने वाले एक महीने तक अगर यही हालत रहे तो ड्राई फ्रूट्स के दाम आसमान छू सकते हैं।

खारी बावली में अफगानिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका समेत कई देश से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई होती है। एक कारोबारी ने बताया कि बीते कुछ दिनों से अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई ठप है। जिससे बाजार में खलबली मच गई है। इंटरनेशनल फ्रूट्स एंड नट्स ऑर्गनाइजेशन के डायरेक्टर रविंद्र मेहता ने बताया कि पहलगाम की घटना बहुत ही दुखद है। सरकार ने हमले के बाद से अमृतसर में अटारी-वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया है।

काजू, अखरोट की भी बढ़ेगी कीमत- देश में अभी ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, टर्की से हो रही है और कुछ आइटम ईरान से भी आ रहे हैं। लेकिन अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई ठप होने से दूसरे देश से आने वाले काजू, बादाम, अखरोट की खपत तेज हो जाएगी, जिसे इनके दाम भी बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि मिठाइयों के लिए पिस्ता मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। जिससे इसका असर मिठाई के दाम पर भी सीधे तौर पर पड़ेगा।

बॉर्डर बंद होने से अफगानिस्तान से व्यापार ठप हो गया है। अफगानिस्तान का लगभग 90 प्रतिशत माल भारत आता है। इनमें अंजीर, हींग, पिस्ता, किशमिश, जीरा, मुनक्का शामिल हैं। चार दिन हो गए सप्लाई ठप है। इसकी वजह से थोक मंडी में अंजीर की कीमत में 200 प्रति किलो, पिस्ता की कीमत में 400 से 500 प्रति किलो, किशमिश में 100 प्रति किलो, मुनक्का में भी 100 प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। अगले एक महीने तक अगर यही हालत रहे तो ड्राई फ्रूट्स के दाम में काफी बढ़ोतरी हो सकती है।

कारोबारियों के करोड़ों रुपये फंसे

अफगानिस्तान से भारत में हर साल लगभग सवा लाख टन ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई होती है। इसके लिए यहां के कारोबारी एडवांस में पेमेंट करते हैं। एक कारोबारी ने बताया कि अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई ठप होने से करोड़ों रुपये फंस गए हैं। इस स्थिति में उनके पास इंतज़ार के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

मुकेश अंबानी की कंपनी का मुनाफा बढ़ा तो रिलायंस के शेयर खरीदने को मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों को खरीदने के लिए सोमवार को लूट मच गई। आरआईएल के शेयर बीएसई पर 3.3 प्रतिशतबढ़कर 1,344 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। यह उछाल तब देखने को मिली,

जब कंपनी ने मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही के लिए कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट में 2 प्रतिशतकी वृद्धि के साथ 19,407 करोड़ रुपये की रिपोर्ट की, जो दलाल स्ट्रीट अनुमान 18,471 करोड़ रुपये से अधिक है।

1,650 रुपये हुआ टार्गेट प्राइस- मोतीलाल ओसवाल मोतीलाल ओसवाल ने रिलायंस पर 1,515 रुपये (पहले 1,510 रुपये) के संशोधित लक्ष्य मूल्य के साथ खरीदें रेटिंग दोहराई है। वहीं, नोमुरा ने भी रिलायंस पर खरीदें कॉल दिया है, टार्गेट प्राइस बढ़ाकर 1,650 रुपये कर दिया है। जेपी मॉर्गन जेपी मॉर्गन ने 1,530 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ रिलायंस पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। मैक्वेरी ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग दी। इसने बताया कि त्त4 के परिणाम अनुरूप थे।

रिलायंस के नतीजों पर क्या बोले मुकेश अंबानी- आरआईएल के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा, वित्त वर्ष 2025 वैश्विक कारोबारी माहौल के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जिसमें कमजोर मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियां और भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव हुआ है। परिचालन अनुशासन, ग्राहक-केंद्रित नवाचार और भारत की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने पर हमारा ध्यान केंद्रित करने से रिलायंस को इस साल के दौरान स्थिर वित्तीय प्रदर्शन करने में मदद मिली है।

जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने क्या कहा- रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, जियो विश्व स्तरीय नेटवर्क तकनीकों और डिजिटल सेवाओं के विस्तृत गुलदस्ते के साथ ग्राहक जुड़ाव में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

किशोर कुमार के गाने पर विजय केडिया का तराना

बताया कैसे बनेगा 10,000 से 1 करोड़ का खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में विजय केडिया जाना-माना नाम हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने गानों के जरिए निवेश और संपत्ति बनाने की सरल रणनीति बताते हैं। केडिया ने जिंदगी को समृद्ध है बनाना नाम का नया गाना जारी किया है। यह गाना किशोर कुमार के जिंदगी एक सफर है सुहाना से प्रेरित है। इस गाने के जरिये केडिया ने बचत करने और सिप (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए संपत्ति बनाने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने बताया कि कैसे हर महीने 10,000 रुपये का निवेश 20 सालों में 12 प्रतिशतवार्षिक रिटर्न के साथ 1 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। केडिया ने फिजूलखर्ची से बचने और समय पर निवेश शुरू करने की सलाह दी है। उन्होंने पहले भी युवाओं को अमीर बनने के लिए आसान गणित समझाया था। इसमें सालाना 50,000 रुपये की बचत को समझदारी से निवेश करके 5 करोड़ रुपये तक बनाने की बात कही गई थी। विजय केडिया हमेशा मजेदार तरीके से लोगों को निवेश के बारे में बताते रहते हैं। इस बार भी उन्होंने एक गाना बनाया है। इसमें उन्होंने लोगों को अमीर और सुरक्षित जीवन जीने के लिए जरूरी बातें बताई हैं।

जिंदगी को समृद्ध है बनाना

केडिया ने अपना नया गाना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर शेयर किया है। गाने का नाम है जिंदगी को समृद्ध है बनाना। यह गाना 1971 में आई फिल्म अंदाज के किशोर कुमार के गाने जिंदगी एक सफर है सुहाना पर है। इस गाने के जरिए केडिया ने बचत करने और सिप के महत्व को समझाया है। सिप एक ऐसा तरीका है जिससे आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा निवेश कर सकते हैं। समय के साथ अच्छा पैसा बना सकते हैं।

पढ़ने के आनंद का मनाएं जश्न, अमेजन इंडिया ने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को किया और मजबूत

बेंगलुरु, एजेंसी। इस वर्ल्ड बुक डे पर अमेजन इंडिया अपने मेक इंडिया रीड मोर मिशन को आगे बढ़ा रहा है – ये एक व्यापक कोशिश है, जो भारत के रीडिंग कल्चर को बढ़ावा देने के लिए डेमोक्रेटाइज्ड एक्सेस, इनोवेटिव डिस्कवरी और कम्युनिटी एनगेजमेंट के जरिए काम करती है। ये प्रतिबद्धता देश भर के पाठकों तक किताबों की पहुंच को आसान बनाने के लिए अमेजन द्वारा किए जा रहे काम का हिस्सा है। अमेजन इंडिया के हाल के ट्रेंड्स से पता चलता है कि पूरे देश में किताबों की मांग बढ़ रही है, जिसमें नए कस्टमर्स और कैटेगरी सेल्स दोनों में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। टियर 2 शहर इस विस्तार को खास तौर पर बढ़ा रहे हैं, जहां नए बुक कस्टमर्स की ग्रोथ मेट्रो शहरों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ रही है। इस डिमांड को सपोर्ट करने के लिए कंपनी ने अपनी सेम-डे डिलीवरी क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, और अब टॉप 20 शहरों में पिछले साल की तुलना में दोगुने कस्टमर्स तक पहुंच रही है। राजर्षि गुइन, डायरेक्टर, बुक्स एंड टॉयज, अमेजन इंडिया ने कहा, किताबें अमेजन की पहचान का केंद्र बिंदु हैं, और भारत के पाठकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है, भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक विविधता को प्रदर्शित करने वाला साहित्य संग्रह से लेकर, तेज डिलीवरी और डिस्कवरी में निवेश करने तक, हमारा पूरा ध्यान रीडिंग को ज्यादा फायदेमंद और ज्यादा सुविधाजनक बनाने पर है। चाहे वो मेट्रो में एक युवा रीडर हो या टियर-3 टाउन में एक स्टूडेंट, हम हर दरवाजे तक सही किताब पहुंचाना चाहते हैं। 14 से ज्यादा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध, 2 करोड़ से ज्यादा किताबों के कैटलॉग के साथ, अमेजन भारत के 100 प्रतिशत सर्विसेबल पिन कोड्स तक किताबें डिलीवर करता है। इस कैटेगरी में लिटरेरी फिक्शन, सेल्फ-हेल्प, बिजनेस और चिल्ड्रन्स बुक्स जैसे जॉनर्स में मजबूत डबल-डिजिट ग्रोथ देखी जा रही है, वहीं मलयालम और तमिल में रीजनल लैंग्वेज बुक्स की डिमांड पिछले साल की तुलना में दोगुनी हो गई है। एजुकेशनल कंटेंट भी मजबूत बना हुआ है, जिसमें गवर्नमेंट एग्जाम प्रीपरेशन मटीरियल्स में 30 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ हुई है, और इंजीनियरिंग व लॉ के लिए स्पेशलाइज्ड मटेरियल्स में पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ देखी गई है। डिस्कवरी और ग्राहक अनुभव को बेहतर करने के लिए, अमेजन की मंथली बुक बाजार इस साल अपनी 5वीं वर्षगांठ मना रही है, जिसमें 60 एडिशन्स होंगे जहां 300 से ज्यादा विशेष रीडिंग लिस्ट्स और 30,000 से ज्यादा किताबों पर डील्स की पेशकश की जाएगी, जो अलग-अलग जॉनर्स और भाषाओं में उपलब्ध होंगी। कंपनी फ्लैगशिप इनिशिएटिव्स जैसे ऑथर ऑफ द मंथ, अमेजन बुक टॉक सीरीज, और क्षेत्रीय भाषाओं की किताबों के लिए मातृभाषा स्टोर जैसे खास गंतव्य के माध्यम से पर्सनलाइज्ड एल्गोरिदम रिकमंडेशन्स को ट्रस्टेड एडिटोरियल क्यूरेशन के साथ मिलाती है।

सुनील मित्तल के बाद अब मुकेश अंबानी भी आगे आए

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अब एक बड़ी खबर में है। यह कंपनी चीन की एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी हायर की भारतीय इकाई में हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। हायर कंपनी भारत में अपने कारोबार को बढ़ाना चाहती है और इसके लिए वह किसी भारतीय कंपनी को अपना पार्टनर बनाना चाहती है।

इस दौड़ में रिलायंस का मुकाबला सुनील मित्तल की भारती ग्रुप से है। यह मुकाबला टेलीकॉम सेक्टर की तरह ही है, जहां ये दोनों कंपनियां पहले से ही एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। कितनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है कंपनी

हायर अप्लायंसेज इंडिया एलजी और सैमसंग के बाद तीसरे नंबर पर है। यह कंपनी अपनी 25 प्रतिशतसे 51 प्रतिशततक हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। यह कंपनी ह्न्न मोटर्स की तरह एक ऐसा ढांचा बनाना चाहती है, जिसमें कोई भारतीय कंपनी सबसे बड़ी शेयरधारक बन जाए। सूत्रों के अनुसार, हायर कंपनी का वैल्यूएशन 2-2.3 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है। इसमें कंपनी को कंट्रोल करने का प्रीमियम भी शामिल है। हायर कंपनी पिछले साल के अंत से ही सिटी के साथ मिलकर बड़े फैमिली ऑफिस और प्राइवेट इक्विटी फंड्स से हिस्सेदारी बिक्री के लिए बात कर रही है।

टैरिफ से जुड़ा है कनेक्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद से चीनी कंपनियां अब भारत में हिस्सेदारी बेचने के लिए तैयार हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि टैरिफ की वजह से उनके प्रोडक्ट की कीमतें अमेरिका में बढ़ जाएंगी। इसलिए, चीनी कंपनियां अब भारत में अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं।

क्या है दोनों कंपनियों का प्लान

रिलायंस ने इस साल की शुरुआत में नॉन-बाइंडिंग ऑफर देने के बाद इस दौड़ में एंट्री की है। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस के सलाहकारों ने सीधे हायर के हेडक्वार्टर, चिंगदाओ में संपर्क किया है। दो इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स ने बताया कि मित्तल भी कुछ हफ्ते पहले हायर के टॉप मैनेजमेंट से मिलने चीन गए थे।

यह समझा जाता है कि रिलायंस रिटेल यूनिट इस संभावित अधिग्रहण के लिए एक माध्यम होगा। सूत्रों के अनुसार, रिलायंस अभी तक अकेले ही आगे बढ़ना चाहता है। रिलायंस पहले से ही बीपीएल और केल्विनटर जैसे लाइसेंस वाले ब्रांडों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। हालांकि, रिलायंस द्वारा स्थापित ब्रांड, रीकनेक्ट और वाइजर को ज्यादा सफलता नहीं मिली है।

कितनी मिलेगी इ[टी

ज्यादातर भारतीय कंपनियां और प्राइवेट इक्विटी फर्म्स किसी भी गठबंधन में जूनियर पार्टनर नहीं बनना चाहती हैं। इसलिए, हायर कंपनी एक लोकल पार्टनर को 45-48 प्रतिशत इक्विटी देने पर विचार कर रही है। इसके अलावा, 3-6 प्रतिशतइक्विटी भारतीय कर्मचारियों और लोकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए रखी जाएगी, जबकि बाकी हिस्सेदारी कंपनी अपने पास रखेगी। सूत्रों के अनुसार, फाइनल स्ट्रक्चर अगले कुछ हफ्तों में तय होने की उम्मीद है।

प्रभास की 'बाहुबली' सिनेमाघरों में फिर हो रही री-रिलीज...

मुंबई। अभिनेता प्रभास की 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्मों में से एक है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 जुलाई, 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छापे। अब लगभग 10 साल बाद 'बाहुबली' एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म अक्टूबर, 2025 में सिनेमाघरों में दोबारा दस्तक देगी। निर्माताओं ने खुद इसकी पुष्टि की है। 'बाहुबली' को इस साल अक्टूबर में एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'बाहुबली बड़े पर्दे पर वापस आ रहा है।

लाइफ Style

तृप्ति

माधुरी के साथ फिर करेंगी काम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

खास बात है इसकी कहानी, जो एक मां और बेटी के रिश्ते को लेकर है। माधुरी जहां मां के किरदार में होंगी, वहीं तृप्ति उनकी बेटी का रोल निभाएंगी।दोनों के बीच की नोक-झोंक, प्यार, तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी। चर्चा है कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका होगी।

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी एक बार फिर माधुरी दीक्षित के साथ फिर काम करती नजर आ सकती है। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अनीस बज्मी की फिल्म भूल भुलैया 3 में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। भूल भुलैया 3 के बाद तृप्ति और माधुरी एक कॉमेडी ड्रामा में फिर से साथ काम करने के लिए तैयार हैं। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी विक्रम मल्होत्रा के प्रोडक्शन बैनर अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट के लिए एक कॉमेडी ड्रामा में स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी, जिसका नाम फिलहाल मां बहन बताया जा रहा है। यह एक नेटफ्लिक्स ओरिजिनल है और अगले महीने मुंबई में फ्लोर पर जाएगी।

इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं, जिन्हें तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। यह फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो तीन किरदार पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी, जो एक मां और बेटी के रिश्ते को लेकर है। माधुरी जहां मां के किरदार में होंगी, वहीं तृप्ति उनकी बेटी का रोल निभाएंगी।दोनों के बीच की नोक-झोंक, प्यार, तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी। चर्चा है कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका होगी।

हॉलीवुड मसाला

अरबपति सिंगर ने बसाया अपना गांव

नई दिल्ली। ब्रिटिश पॉप सिंगर एड शीरन की पॉपुलैरिटी किसी से छिपी नहीं है। उनका हर गाना चार्टबस्टर साबित होता है। उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की लंबी-लंबी लाइनें लग जाती है। हालांकि इस समय वो अपने गाने नहीं बल्कि खुद का अलग गांव बसाने को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उन्होंने ये माना है कि ये 'अजीब' है लेकिन वो अपने परिवार को प्राइवेसी देना चाहते थे। दरअसल पॉप स्टार ने इंग्लैंड के सफोक में अपने घर के आस-पास की जमीन और दूसरे घरों को खरीदने में काफी पैसे खर्च किए हैं ताकि वो बड़ा एस्टेट बना सके।

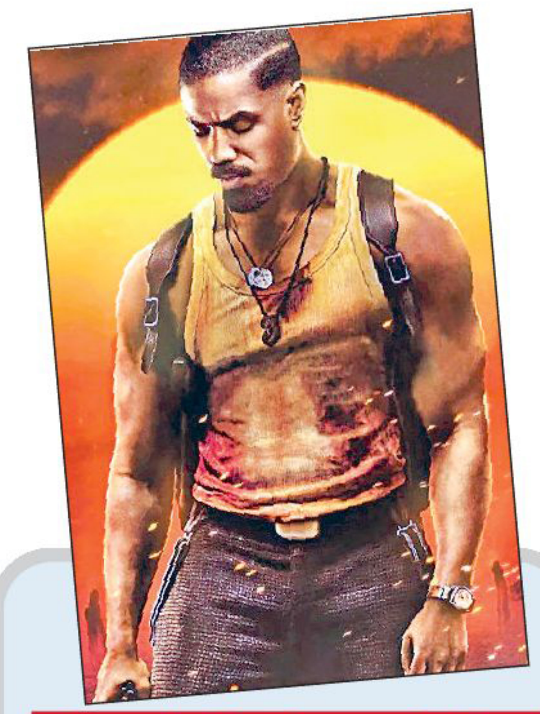

'सिनर्स' थिएट्रिकल सिनेमा के लिए बनी गुड न्यूज...

लॉस एंजिल्स। माइकल बी. जॉर्डन स्टारर फिल्म 'सिनर्स' दुनिया भर के थिएटर्स में जमकर भीड़ जुटा रही है। 18 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म को डायरेक्टर रायन कूगलर ने डायरेक्ट किया है, जो इससे पहले 'ब्लैक पैंथर' फ्रैंचाइजी और 'क्रीड' जैसी फिल्में डायरेक्ट कर चुके हैं। अब उनकी नई फिल्म 'सिनर्स' ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कमाल किया है जिसने दुनिया भर के फिल्म बिजनेस एक्सपर्ट्स को सरप्राइज कर दिया है।बी. जॉर्डन की फिल्म हॉरर फिल्म की कैटेगरी में आती है और ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर ये कैटेगरी बहुत बड़े बॉक्स ऑफिस कलेक्शन नहीं जुटाती है। मगर हॉरर फिल्म होने के बावजूद 'सिनर्स' ने पहले वीकेंड में यूएस बॉक्स ऑफिस पर 48 मिलियन डॉलर का कलेक्शन किया था। संडे की कमाई के साथ 'सिनर्स' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 10 दिन में 161 मिलियन डॉलर्स से ज्यादा हो चुका है।

'तन्वी द ग्रेट' की हीरोइन बनेंगी शुभांगी...

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि साल 2002 में आई फिल्म 'ओम जय जगदीश' के बाद यह अनुपम के निर्देशन में बन रही दूसरी फिल्म है। अनुपम ने न केवल फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है, बल्कि वह इसमें अभिनय भी करते नजर आएंगे। अब 'तन्वी द ग्रेट' की हीरोइन के नाम का खुलासा हो गया है। 'तन्वी द ग्रेट' की हीरोइन का नाम शुभांगी है। अभिनेत्री काजोल ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान शुभांगी पेश किया गया। टीजर में सिर्फ म्यूजिक के साथ तन्वी के लुक को पेश किया गया, जो काफी भावुक है। शुभांगी को अनुपम के प्रसिद्ध एक्टिंग स्कूल 'एक्टर प्रिपेयर' से चुना गया है।

'धमाल-4' का क्लाइमेक्स मुंबई में होगा शूट

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन आने वाले समय में एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। सुपरहिट कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'धमाल' की चौथी किस्त 'धमाल 4' भी इन्हीं में से एक है। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग अपने अंतिम चरण पर है। अब 'धमाल 4' के क्लाइमेक्स से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। आइए जानें फिल्म का क्लाइमेक्स कब-कहां शूट किया जाएगा और इसमें अजय के साथ कौन-कौन शामिल होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'धमाल 4' का आखिरी शेड्यूल 15 मई से मुंबई में शुरू होगा, जहां जंगल थीम वाला एक बड़ा सेट बनाया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह शेड्यूल जून के आखिर तक पूरा हो जाएगा और इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा।

टीवी मसाला

कभी जूते किए पॉलिश, बेची चाय, सब्जियों के लगाए ठेले!

नई दिल्ली। आज के दौर में जितने अमीर हीरो- हीरोइन हैं, उतने ही स्टैंड-अप कॉमेडियन भी होते जा रहे हैं। कपिल शर्मा और भारती सिंह को ही ले लीजिए तो वे स्टार्स से कम नहीं हैं। अपनी हंसी मजाक के जरिए ही वे करोड़ों छाप रहे हैं। बहरहाल, यहां हम एक ऐसे कॉमेडियन के बारे में बात कर रहे हैं जिसने गरीबी से उठकर अमीर बनने में लंबा संघर्ष किया है। यहां तक कि सब्जी भी बेची है और जूते भी बनाए हैं, लेकिन आज वो लग्जरी लाइफ जी रहा है।

चाय की दुकानों में किया काम, आज है ऐश-ओ- आराम : जिसके बारे में हम यहां बात कर रहे हैं वो हैं सुदेश लहरी, जो कि एक भारतीय स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं। वे टेलीविजन कॉमेडी कार्यक्रमों में दिखाई दिए हैं और स्टेज शो में प्रदर्शन किया है। सुदेश लहरी की गरीबी से अमीरी तक की कहानी एक हर किसी के लिए प्रेरणादायी है। अभिनेता-कॉमेडियन, जो कभी चाय की दुकानों, कारखानों में काम करते थे और आजीविका के लिए जूते बनाते थे। अब मुंबई में एक आलीशान अपार्टमेंट के मालिक हैं। उनकी संपत्ति में तीन बेडरूम, एक बड़ा डाइनिंग रूम, एक मॉड्यूलर किचन, एक निजी स्टूडियो, होम थिएटर और साथ ही एक बड़ा लिविंग रूम शामिल है।

ऐसा था लहरी का बचन

इससे पहले, अर्चना पूरन सिंह के व्लॉग पर दिखाई देते हुए, सुदेश ने एक समय को याद किया था जब उन्हें अपना घर बेचना पड़ा था। बचपन को याद करते हुए सुदेश कहते हैं, 'मैंने बचपन में बहुत मेहनत की है। मैंने गरीबी देखी है। मैंने छोटी-छोटी दुकानों में काम किया है, चाय बनाई है, कई फैक्ट्रियों में काम किया है, जूते बनाए हैं। सब्जियां बेची हैं। अमीरों को झूठ नहीं बोलना पड़ता, लेकिन गरीब होने के कारण हमें अक्सर साहूकारों से पैसे मांगने पर झूठ बोलना पड़ता है। यह सब मेरे लिए एक्टिंग कोर्स की तरह काम करता है।

परिवार ने खुद डिजाइन किया सुदेश का घर

सुदेश लहरी ने हाल ही में पिंकविला को अपने घर का दौरा कराया, जहां उन्होंने कहा कि उन्होंने और उनके परिवार ने खुद ही घर को डिजाइन किया है। अभिनेता ने मजाक में कहा, 'हमने इंटीरियर डिजाइनर को नहीं रखा, क्योंकि वे महंगे हैं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि वो फैंस को मुंबई के शानदार नजारों की एक झलक दिखाकर अपनी 'अमीरी' दिखाना चाहते हैं, जिसका वो अपने घर से आनंद ले सकते हैं। सुदेश लहरी ने अपने घर के दौरे की शुरुआत अपने लिविंग रूम से की, जिसे हाथ से चुने गए फर्नीचर और वॉलपेपर से सजाया गया है। उसके बाद अपना खुद का बेडरूम दिखाया, जहां उन्होंने एक खास चाय कॉर्नर भी बनवाया है। आपको बता दें कि सुदेश के घर के अंदर एक स्टूडियो भी है, जहां वे अपना संगीत रिकॉर्ड करते हैं. दौरे के दौरान, उन्होंने यह भी बताया कि वे घड़ियों के शौकीन हैं।

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज सीजन 8 से मिली लोकप्रियता

बता दें कि सुदेश करीब दो दशक से इंडस्ट्री में बतौर कॉमेडियन और एक्टर सक्रिय हैं। हालांकि, द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज सीजन 8 में हिस्सा लेने के बाद वे मशहूर हुए। वो कपिल शर्मा के कॉमेडी शो समेत कई अन्य कार्यक्रमों में भी नजर आते हैं।

सबसे कमाऊ फिल्म के एटली थे निर्देशक

'मर्सेल' है सामंथा की सबसे कमाऊ फिल्म

मुंबई। सामंथा रुथ प्रभु की गिनती उन अभिनेत्रियों में की जाती है, जिन्होंने बॉलीवुड डेब्यू से पहले हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खास पहचान हासिल कर ली है। 28 अप्रैल को सामंथा अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने 'द फैमिली मैन 2' से हिंदी दर्शकों के बीच पहचान बनाई। 'पुष्पा' के गाने 'ऊ अंतावां' ने भी उन्हें खूब शोहरत दिलाई। सामंथा ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है, लेकिन क्या आप उनकी सबसे कमाऊ फिल्म का नाम जानते हैं? सामंथा की सबसे कमाऊ फिल्म का नाम 'मर्सेल' है, जो साल 2017 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के निर्देशक एटली ने किया था। सामंथा के साथ इस फिल्म में थलापति विजय, एस जे सूर्या और नित्या मेनन जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था। 120 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'मर्सेल' ने बॉक्स ऑफिस पर 257 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।यह फिल्म जी5, नेटफ्लिक्स और जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

कुछ ऐसा रहा सामंथा का करियर

सामंथा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2010 में आई तेलुगू फिल्म 'ये माया चेसावे' के जरिए की थी, जिसमें वह अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। इसके बाद सामंथा ने 'बाण काठडी', 'मॉस्कोइन कावेरी', 'बृंदावनम', 'ऑटोनगर सूर्या', 'यशोदा' और 'सीथम्मा वाकिटलो सिरिमल्ले चेट्टु' जैसी फिल्मों में काम किया। पिछली बार सामंथा फिल्म 'कुशी' (2023) में नजर आई थीं। अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों में 'शुभम' और 'मां इंति बंगाराम' शामिल हैं।

दो बार एक ही नाम से बनीं फिल्में

आखिरी वाली ने तो कमाल ही कर दिया

मुंबई। इन दिनों सैफ अली खान फिल्म 'ज्वेल थीफ' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में सैफ के साथ अभिनेता जयदीप अहलावत नजर आ रहे हैं। इस नाम से पहले भी फिल्म बन चुकी है, जिसमें देव आनंद नजर आए थे और यह फिल्म साल 1967 में रिलीज हुई थी। एक ही नाम से 2 फिल्में बनाने का चलन बॉलीवुड में लंबे समय से चला आ रहा है। आइए आज ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों के बारे में जानें।

'दिलवाले' : साल 1994 में आई फिल्म 'दिलवाले' में अजय देवगन, सुनील शेट्टी और रवीना टंडन नजर आए थे। इस फिल्म में पहले दिव्या भारती को लिया गया था, लेकिन अचानक हुई उनकी मौत के बाद इसमें रवीना को साइन किया गया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी। बाद में इसी नाम से रोहित शेट्टी फिल्म लेकर आए, जिसमें शाहरुख खान, काजोल, वरुण धवन और कृति सैनन ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन किया था।

'बागी' : सलमान खान साल 1990 में फिल्म 'बागी' लेकर आए थे, जिसमें उनके साथ नगमा ने लीड रोल किया था। पिता सलीम खान के नक्शे कदम पर चलते हुए सलमान ने 'बागी' से बतौर स्क्रिप्ट राइटर शुरुआत कर दी थी। फिल्म लेखक जावेद सिद्दिकी के साथ मिलकर सलमान ने 'बागी' की पटकथा का जिम्मा संभाला था और बतौर लेखक अभिनेता की पहली कोशिश सफल रही थी। उधर साल 2016 में टाइगर श्रॉफ 'बागी' लेकर आए, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।

'दोस्ताना' : 'दोस्ताना' नाम की फिल्म ने अलग-अलग दशक में दोस्ती और प्यार की कहानी को अलग ढंग से बयां किया। साल 1980 में राज खोसला की 'दोस्ताना' एक गंभीर एक्शन-ड्रामा थी, जिसमें अमिताभ बच्चन और शत्रुघ्न सिन्हा ने 2 दोस्तों की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म सुपरहिट थी। दूसरी ओर 2008 में आई 'दोस्ताना' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी थी, जिसमें अभिषेक बच्चन और जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में थे। ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

खौफ, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर 'द भूतनी' का ट्रेलर दर्शकों को आया बेहद पसंद

बॉक्स ऑफिस पर मई में होगा महामुकाबला, अजय और संजय से शुरू होगी जंग

मुंबई। *जहां अप्रैल में कई बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों से सिनेमाघर गुलजार रहे, वहीं मई का महीना भी सिनेप्रेमियों के लिए बेहद खास रहने वाला है, क्योंकि कई चर्चित फिल्में सिनेमाघरों का रुख करने के लिए तैयार हैं। ये वो फिल्में हैं, जिनमें दर्शकों को एक्शन से लेकर, रोमांस, रोमांस, कॉमेडी और खूब ड्रामा देखने को मिलेगा। कई सितारों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर आमने-सामने होंगी। आइए नजर डालें मई में आने वाली चर्चित फिल्मों पर।*

'रेड 2': शुरुआत करते हैं 'रेड 2' से, जिसके हीरो हैं अजय देवगन और विलेन हैं रितेश देशमुख। फिल्म में इस बार अजय की पत्नी का किरदार अभिनेत्री वाणी कपूर ने निभाया है, जबकि 'रेड' में इलियाना डिक्रूज इस भूमिका में नजर आई थीं। 'रेड' पर दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब प्यार लुटाया था। ऐसे में 'रेड 2' से न सिर्फ अजय, बल्कि उनके प्रशंसकों को भी बड़ी उम्मीदें हैं। यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

'द भूतनी' : एक ओर जहां अजय 1 मई को 'रेड 2' लेकर आ रहे हैं, वहीं संजय दत्त इसी दिन अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' के साथ सिनेमाघरों में आएंगे। इसमें मौनी रॉय, श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी और सनी सिंह भी दर्शकों का मनोरंजन करते दिखेंगे। खौफ, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद आया। अब देखना ये है कि 'रेड 2' और 'द भूतनी' में बॉक्स ऑफिस पर बाजी कौन मारती है।

ये फिल्में भी होंगी आमने-सामने

16 मई को सुनील शेट्टी 'केसरी वीर' ला रहे हैं, उसी दिन पुलकित सम्राट की 'सुस्वागतम खुशामदीद' रिलीज हो रही है। उधर 30 मई को सोनाक्षी सिन्हा और परेश रावल की फिल्म 'निकिता रॉय' और साउथ के स्टार विजय देवरकोंडा की 'किंगडम' पर्दे पर आएगी।

'हरि हर वीरा मल्लू' : सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' को लेकर भी दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह यूं तो तमिल भाषा की फिल्म है, लेकिन फिल्म पवन कल्याण की है, जिनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है, वहीं बॉबी देओल भी इस फिल्म में हैं। फिल्म में बॉबी का एक खूंखार अवतार देखने को मिलेगा, वहीं पवन आमजन के लिए लड़ते दिखेंगे। इसका सामना 9 मई को बॉक्स ऑफिस पर 'भूल चूक माफ' से होगा।

'भूल चूक माफ' : अभिनेता राजकुमार राव पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री वामिका गब्बी के साथ बनी है। यह पहला मौका है, जब राजकुमार और वामिका किसी फिल्म में रोमांस करते नजर आएंगे। 'स्त्री' फ्रैंचाइजी वाले दिनेश विजान ने इस फिल्म पर पैसे लगाए हैं। सीमा पहवा भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी।

आईपीएल 2025

एमआई के पास 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर फिर से वर्चस्व कायम करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की दमदार वापसी एक बड़ी हाइलाइट है। इस सीजन में एमआई की शुरुआत लगातार दो हार के साथ हुई थी। इसके बाद उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज करके अपना खाता खोला। इसके बाद उन्हें फिर से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। पांच मैच में सिर्फ एक जीत के बाद एमआई के प्रदर्शन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं थीं। लेकिन अब लगातार पांच मैच जीतकर पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस फिर से दहाड़ रहे हैं।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली टीम ने शुरुआती पांच मैचों के बाद जिस तरह से वापसी की है, वह काबिले तारीफ है। मुंबई इंडियंस को हालिया जीत रविवार को मिली, जब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से हरा दिया। मुंबई इंडियंस अगर एक और मैच जीत लेती है तो यह एक ही सीजन में लगातार जीत के मामले में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी होगी। एमआई की लगातार पांच जीत के बाद जो आंकड़े निकलकर आते हैं, वे बड़े ही दिलचस्प हैं। एमआई का एक ही सीजन में लगातार छह जीत का रिकॉर्ड सीजन 2008 में आया था। लेकिन तब यह टीम न तो खिताब जीत पाई थी और न ही प्लेऑफ में ही पहुंच पाई थी। लेकिन, इसके बाद एमआई ने पांच ऐसे सीजन खेले हैं जहां उन्होंने लगातार पांच जीत दर्ज की और हर बार फाइनल में एंट्री दर्ज की।

इन पांचों सीजन में उन्होंने कमाल किया और चार बार खिताब जीतकर अपना वर्चस्व कायम किया। सिर्फ एक ही बार एमआई की टीम 2010 के सीजन में रनर-अप रहकर खिताब नहीं जीत पाई थी। इसके बाद 2013, 2015, 2017 और 2020 ऐसे सीजन थे जहां एमआई ने लगातार पांच जीत दर्ज की और खिताब भी अपने नाम किया। अब सीजन 2025 में भी लगातार पांच जीत के बाद एमआई अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा का बल्ला भी रन बना रहा है।

गेंदबाजी में बुमराह की फॉर्म देखकर लग रहा है कि वह अपनी अच्छी फिटनेस के साथ अपनी लय हासिल कर चुके हैं। ऐसे में अगर आंकड़े कुछ बयां करते हैं तो वह यही है कि एमआई मौजूदा सीजन में भी धमाल करने के लिए तैयार है। आंकड़े एमआई को फाइनल में एक बार फिर एंट्री दिलाते नजर आते हैं। हालांकि, एमआई को अभी और निरंतरता की जरूरत होगी, क्योंकि उनका यह प्रदर्शन तब आया है जब उनके सामने अभी लीग स्टेज में चार और मैच खेलने बाकी हैं। फिलहाल प्लेऑफ में जाने वाली टीमों के बीच तगड़ी टक्कर है।

एमआई इस समय तीसरे पायदान पर मौजूद है और उसके 12 अंक हैं। टॉप पर मौजूद आरसीबी टीम के 10 मैचों में 14 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद जीटी 8 मैचों में ही 12 अंक हासिल कर चुकी है। चौथे स्थान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स 9 मैचों में 12 अंक हासिल कर चुकी है। यानी, मुंबई इंडियंस के पास न तो आत्ममुग्धता का समय है और न ही वे रिलैक्स हो सकते हैं। उनको टॉप-4 में बने रहने के लिए बाकी चार मैचों में भी पूरा दमखम झोंकना होगा। आदर्श तौर पर एमआई की नजरें टॉप-2 स्थान पर होंगी, जिसके लिए उनको लगातार जीत का सिलसिला बनाए रखना होगा ऐसा होता है तो वह न केवल खिताब की रेस में बहुत आगे हो जाएंगे, बल्कि 2008 के सीजन में बनाया लगातार जीत का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे।

ऋषभ पंत पर BCCI ने लगाया 24 लाख का जुर्माना, टीम पर भी लगाया फाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को मिली हार के बाद एक और झटका लगा है. कप्तान ऋषभ पंत और लखनऊ के सभी प्लेयर्स पर बीसीसीआई ने जुर्माना लगाया है. इस मैच में 216 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ 161 रनों पर ढेर हो गई थी और मुंबई ने 54 रनों से मैच जीत लिया था. लखनऊ सुपर जायंट्स टीम पर ये जुर्माना स्लो ओवर रेट के कारण लगाया है. ये इस सीजन लखनऊ का दूसरा उल्लंघन है, जिसके कारण पंत पर भारी जुर्माना लगा है और अन्य खिलाड़ियों को भी नुकसान हुआ है. दरअसल पहली बार ऐसा होने पर सिर्फ कप्तान पर जबकि दूसरी बार ऐसा होने पर कप्तान के साथ खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगता है.

आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच 45 के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी.

चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत सीजन में उनकी टीम का दूसरा अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पंत पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा.

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी का खराब फॉर्म जारी

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर हैं, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रूपये में खरीदा था. कप्तान बनाने के साथ टीम को उम्मीद थी कि उनकी टीम अच्छा करेगी. टीम का प्रदर्शन तो बहुत बुरा नहीं है लेकिन कप्तान ने अभी तक निराश किया है. रविवार को भी मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. ऋषभ पंत ने 10 मैचों में सिर्फ 110 रन बनाए हैं, जबकि सिर्फ एक पारी में उन्होंने 63 रन बनाए थे. लखनऊ की ये 10 मैचों में 5वीं हार है. 10 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है. अब बचे हुए 4 मैच लखनऊ के लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं.

आईपीएल

विराट कोहली नहीं, पीयूष चावला ने इस खिलाड़ी को दिया आरसीबी की जीत का श्रेय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला को लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स द्वारा उनके शीर्ष क्रम को झकझोरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ऐसी स्थिति में एंकर की भूमिका निभाने के लिए किसी की जरूरत थी जिसे बल्लेबाजी के उस्ताद विराट कोहली ने जिस तरह से अर्धशतक लगाकर निभाया। हालांकि उन्होंने कोहली के साथ ही जीत का श्रेय क्रुणाल पांड्या को भी दिया जिन्होंने स्पिन को अच्छे से खेला जबकि कोहली को मुश्किल हो रही थी।

आरसीबी के 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दिल्ली ने वापसी की और मेहमान टीम को 26/3 पर रोक दिया। आरसीबी की बल्लेबाजी की गहराई की परीक्षा होनी थी, और क्रुणाल पांड्या और विराट ने सुनिश्चित किया कि उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करे। विराट और क्रुणाल ने 119 रनों की शानदार साझेदारी करके बेंगलुरु को तालिका में शीर्ष पर पहुंचाया और रॉयल चैलेंजर्स को मुश्किल दौर से सुरक्षित निकाला।

साझेदारी के दौरान विराट ने स्ट्रोक रोटेशन पर बहुत अधिक भरोसा किया और अपनी नजरें बाउंड्री रोप पर टिकाए रखीं। कोहली 51(47) रन बनाकर डगआउट लौटे, उन्होंने गेंद को इनसाइड-आउट शॉट से भेजने की कोशिश की, लेकिन बाउंड्री रोप को पार नहीं कर सके। दुष्मंथा चमीरा की लेंथ डिलीवरी, जो ऑफ के बाहर थी, ने काम कर दिया, मिशेल स्टार्क ने शांतचित्त होकर कैच पूरा किया और विराट को आउट किया। चावला ने विराट की पारी के महत्व को रेखांकित किया, भले ही यह मौजूदा टी20 मानक को पूरा नहीं करती थी। उन्होंने कहा, विराट ने अपने 50 रन कैसे भी बनाए हों, महत्वपूर्ण बात यह है कि अंक तालिका में वे दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए जाएं। आरसीबी को पारी को संभालने के लिए कोई चाहिए था, स्कोर इतना बड़ा नहीं था।

खासकर तीन विकेट खोने के बाद, आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो एक छोर से बहुत ज़्यादा विकेट न खो दे, ताकि दूसरे आपके इर्द-गिर्द घूम सकें। विराट ने बिल्कुल यही किया है। वे 51 रन भुवी के स्लॉग ओवरों जितने ही महत्वपूर्ण थे। विराट 160-170 रनों का पीछा करने के लिए बहुत बढ़िया गणना करते हैं और टीम को पीछा करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म देते हैं। कोहली ने एक छोर से विकेट संभाले रखा, वहीं क्रुणाल ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर बेंगलुरु की छह विकेट की शानदार जीत के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड होने के कारण सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने दिल्ली के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी के जाल में उलझाकर रोका, अनुभवी फॉफ डु प्लेसिस का विकेट लिया और 1/28 के आंकड़े के साथ समाप्त किया। बल्ले से उन्होंने बेड़ियां तोड़ीं, अपनी बाहें खोलीं और 47 गेंदों पर 73* रन बनाकर मनोरंजक प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, क्रुणाल ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिनरों को अच्छी तरह खेलते हैं और इसलिए वे मध्य चरण में अधिक खतरनाक हो जाते हैं। बल्लेबाजी के लिए यह एक मुश्किल विकेट था - यहां तक कि विराट ने भी कहा कि यह एक मुश्किल सतह थी।

एशियाई योगासन में भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीते

● पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट से हटा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते।

एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैंपियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। मंगोलिया, ओमान, नेपाल शीर्ष पांच में रहे। चैंपियनशिप में कुल 21 देशों ने शिरकत की, जिसमें उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, कजाखस्तान भी शामिल हैं।

इस्लामाबाद में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप से हटा भारत

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत ने अगले माह इस्लामाबाद में होने वाली मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है। पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक शहीद हुए थे, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अहद ने कहा, भारतीय वॉलीबॉल अधिकारियों ने क्षेत्रीय संस्था को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने पहलगाम में हुई घटना के बाद टूर्नामेंट के लिए उन्हें जारी किए गए एनओसी को रद्द कर दिया है।

भारत की जगह अब अफगानिस्तान या श्रीलंका की टीम भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की टीमें को हिस्सा लेना है।

केएल राहुल भारतीय टी-20 टीम में वापसी के हकदार: केविन पीटरसन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर केविन पीटरसन ने अपनी टीम के स्टार और बल्लेबाज और विकेटकीपर केएल राहुल को लेकर बड़ा दावा किया है।

उन्होंने राहुल के हालिया फॉर्म का हवाला देते हुए कहा कि वह भारतीय टी20 टीम में वापसी के हकदार हैं। अंग्रेज दिग्गज ने यह भी सलाह दी कि विकेटकीपर-बल्लेबाज के लिए चार नंबर सबसे बेस्ट है। दरअसल, राहुल पिछले कुछ समय से ञ्ज-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में राहुल बेहतर नहीं कर पा रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, आईपीएल के इस सीजन में राहुल काफी बेहतर फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह अभी तक कुल 8 मैच खेले हैं। उन्होंने 146.18 स्ट्राइक रेट और 60.67 के औसत से कुल 364 रन बनाए हैं।

केविन पीटरसन ने कहा कि मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए केएल राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करवाऊंगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ओपनिंग करने के कई सारे बल्लेबाज हैं, लेकिन राहुल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए मेरी पहली पसंद होंगे।

विजय माल्या ने आरसीबी की सफलता का पीटा ढिंढोरा, विराट कोहली का नाम तक नहीं लिया!

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर अपनी पिछली हार का बदला ले लिया. इसके साथ ही पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गया. टीम के स्टार बल्लेबाज इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर लिया है. इसके अलावा तेज गेंदबाज जॉस हेजलवुड ने इस सीजन में अभी तक सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पर कैप अपने नाम कर लिया है. टीम की इस शानदार उपलब्धि पर आरसीबी के पुराने मालिक विजय माल्या ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है. बता दें कि विजय माल्या विभिन्न बैंकों से 9000 करोड़ का लोन लिया था. वह इसे बिना चुकाए ही साल 2016 में देश छोड़कर चले गए थे. तब से आरसीबी ने उनसे नाता तोड़ लिया था.

दिल्ली के खिलाफ जीत पर माल्या ने दी बधाई

आईपीएल 2025 के 46वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हरा दिया. इस जीत से आरसीबी के पुराने मालिक विजय माल्या बहुत खुश हैं. उन्होंने सोशल मीडिया के अपने हैंडल पर सिर्फ 36 शब्दों में आरसीबी की टीम को बधाई दी है. माल्या ने अपने बधाई में विराट कोहली या किसी खिलाड़ी का खास तौर पर नाम नहीं लिया.

सर्दिनिया विश्व शतरंज:

भारत के लियॉन की जीत से शुरुआत इटली के बेट्टाली नें किया उलटफेर

सर्दिनिया, इटली, एजेंसी। आज से शुरू हुए सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल में भारत के ग्रांड मास्टर और दूसरे वरीय लियॉन मेन्दोंसा नें इज़राइल के सिट्बोन इताय और को नोय एयल को पराजित करते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है और लगातार दो जीत के साथ सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है अब तीसरे राउंड में उनका सामना भारतीय मूल के खिलाड़ी कनाडा के राजा पंजवानी से होगा .

वही दूसरे राउंड में बड़ा उलटफेर किया इटली के 28वें वरीय खिलाड़ी बेट्टाली फ़्रांचीसको नें जिन्होने पिहकले साल के विजेता और टॉप सीड डेनियल धारधा को पराजित करते हुए सभी को चौंका दिया । डेनियल के खिलाफ काले मोहोरो से खेलते हुए बेट्टाल्ली नें अपने जीवन का एक सर्वश्रेस्ठ प्रदर्शन करते हुए सिसिलन रोजोलिमों ओपनिंग में एक मात्र 37 चालों में शानदार जीत दर्ज की ।

वहीं तीसरे वरीय ग्रांड मास्टर भारत के एसएल नारायनन जिन्हे पहले राउंड में जर्मनी के सिदने पंजर नें ड्रॉ खेलने पर विवश कर दिया था उन्होने दूसरे राउंड में वापसी करते हुए हमवतन प्रणव रविकुमार को पराजित किया और अब अगले राउंड में उनका सामना नीदरलैंड के वान डेर लेनदे से होगा। 50 हजार यूरो पुरूस्कार वाली इस प्रतियोगिता में 25 देशो के करीब 200 खिलाड़ी भाग ले रहे है ।

फुटबॉल: लिवरपूल ने 20वीं बार प्रीमियर लीग का खिताब जीता, मैनचेस्टर सिटी एफए कप के फाइनल में

लंदन, एजेंसी। इस जीत से लीवरपूल के 34 मैचों में 84 अंक हो गए, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के इतने ही मैचों में 67 अंक है। आर्सेनल के लिए अब बाकी बचे मैचों में लीवरपूल की बराबरी करना संभव नहीं है। लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच में रविवार को एकतरफा मुकाबले में टोटेनहैम को 5-1 हराकर 20वीं बार इस खिताब को अपने नाम कर मैनचेस्टर यूनाइटेड के रिकॉर्ड की बराबरी की। डोमिनिक सोलंके के 12वें मिनट में किये गोल से पिछड़ने के बावजूद लीवरपूल ने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और मध्यांतर तक 3-1 की बढ़त कायम कर उन्हें जश्न मनाने का मौका दे दिया।

लुइस डियाज ने मैच के 16वें मिनट में बराबरी का गोल दागा, जबकि एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने इसके आठ मिनट बाद टीम को बढ़त दिला दी। कोडी गोपिको ने 34वें मिनट में लिवरपूल को 3-1 से आगे कर दिया। टीम का दबदबा मध्यांतर के बाद भी जारी रहा। दिग्गज मोहम्मद सालाह ने 63वें मिनट में गोल कर 4-1 की बढ़त बना दी।

डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल को 5-1 से आगे करने के साथ टोटेनहैम के लिए वापसी के दरवाजे भी बंद कर दिए। इस जीत से लिवरपूल के 34 मैचों में 84 अंक हो गए, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के इतने ही मैचों में 67 अंक है। आर्सेनल के लिए अब बाकी बचे मैचों में लीवरपूल की बराबरी करना संभव नहीं है। लिवरपूल के खिलाड़ियों ने 2020 के बाद प्रीमियर लीग के अपने पहले खिताब का कोच

आर्ने स्लॉट के साथ गाना गा कर मनाया। इस दौरान सालाह ने प्रशंसकों के साथ सेल्फी (फोटो) खिंची। टीम ने 2020 में जब 30 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था तब कोविड महामारी के कारण स्टेडियम में प्रशंसक मौजूद नहीं थे लेकिन इस बार बड़ी संख्या में दर्शक टीम की लाल रंग की जर्सी में मौजूद थे। प्रशंसकों ने 20 अंक लिखा हुए बड़े-बड़े झंझे लिये थे , जो टीम के 20वें खिताब को दर्शा रहा था। अन्य मैचों में रासमस होजलंड ने अतिरिक्त समय में गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड को बौर्नमाउथ के खिलाफ 1-1 से बराबरी दिला दी।

नॉटिंघम फॉरेस्ट को हराकर मैनचेस्टर सिटी एफए कप फाइनल में

कोच पेप गार्डियोला की देखरेख में मैनचेस्टर सिटी का सबसे खराब सत्र भी ट्रॉफी के साथ समाप्त हो सकता है क्योंकि टीम ने रविवार को यहां वेम्बली स्टेडियम में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-0 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष एफए कप फाइनल में प्रवेश किया। सिटी की टीम को यह सफलता उसी दिन मिली जब वह आधिकारिक तौर पर इंग्लिश प्रीमियर लीग के खिताबी दौड़ से बाहर हो गयी। इससे प्रशंसकों को निराशाजनक सत्र के बीच खुशी मनाने का कुछ मौका मिल गया।

रिको लुईस ने मैच के दूसरे मिनट में गोल कर के टीम को बढ़त दिला दी जबकि रक्षापंक्ति के खिलाड़ी जोस्को ग्वारडिओल ने 51वें मिनट में कॉर्नर से हेडर के जरिए गोल में बदल कर बढ़त दोगुनी कर दी। फॉरेस्ट की टीम ने इसके बाद तीन बार गोल करने के मौके बनाये लेकिन टीम एक को भी भुनानो में सफल नहीं रही। सिटी की टीम इससे पहले चैंपियंस लीग में भी अंतिम 16 चरण में पहुंचने में नाकाम रही थी। एफए कप के फाइनल मे उसके सामने क्रिस्टल पैलेस की चुनौती होगी। यह मैच 17 मई को खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में 20 साल बाद 65 फीसदी फ्लैट भी नहीं बने, बिल्डरों पर अब होगी कार्रवाई

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में इंटीग्रेटेड टाउनशिप का लाइसेंस लेने वाले बिल्डरों ने करीब 20 साल बाद भी 65 फीसदी फ्लैट नहीं बनाए। जीडीए की ओर से अब ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट नहीं बनाने वाले बिल्डरों पर सख्ती की जाएगी। इन्हें प्रोजेक्ट कंप्लीशन सर्टिफिकेट तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैट भी तैयार नहीं होंगे। शासन स्तर से वर्ष 2005 में बिल्डरों को इंटीग्रेटेड टाउनशिप का लाइसेंस मिला था। इसमें गाजियाबाद में सात बिल्डर शामिल थे। लाइसेंस खत्म होने की समयावधि 2022 थी। लाइसेंस के तहत बिल्डरों को कई तरह की सुविधाएं मिलीं, लेकिन इसके बदले इन्हें प्रोजेक्ट में फ्लैट के दस फीसदी ईडब्ल्यूएस और एलआईजी बनाने थे। लाइसेंस मिलने के बाद बिल्डरों ने प्रोजेक्ट शुरू कराए और शासन से मिलने वाले लाभों को लेते हुए प्रोजेक्ट तैयार कर लिए, लेकिन इनमें एक बिल्डर को छोड़कर बाकी ने अब तक प्रोजेक्ट में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी पूरी तरह नहीं बनाए। जबकि टाउनशिप को पूरा करने की अवधि करीब दो साल पहले खत्म हो चुकी है। ऐसे में जीडीए की तरफ से रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। साथ ही इन बिल्डरों के साथ बैठक कर उन्हें प्रोजेक्ट में इन मकानों को पूरा बनाने के निर्देश भी दिए। अब जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने अधिकारियों से प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ईडब्ल्यूएस और एलआईजी नहीं बनाने वाले बिल्डरों पर सख्ती करने को कहा है। इन्हें प्रोजेक्ट कंप्लीशन सर्टिफिकेट तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक ये फ्लैट भी तैयार नहीं होंगे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली , एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार पांचवे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये से लेकर 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,400 रुपये से लेकर 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गाजियाबाद में चला नगर निगम का पंजा, एक बार में खाली हुई 200 करोड़ की जमीन

गाजियाबाद एजेंसी।
नगर निगम के संपत्ति विभाग ने सोमवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक से सटे डूंडाहेड़ा में 40 हजार वर्ग मीटर जमीन कब्जामुक्त कराई। जमीन की कीमत 200 करोड़ रुपये है। इस पर कई लोग खेती कर रहे थे। निगम टीम ने विरोध के बीच फसल पर जेसीबी और ट्रैक्टर चलाकर जमीन खाली कराई। शहरी क्षेत्र में निगम की काफी जमीन है।

इस पर कई जगह लोगों ने कब्जा कर रखा है। क्रॉसिंग रिपब्लिक से सटे डूंडाहेड़ा में 40 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कई लोगों का कब्जा था। लोग मालिकाना हक जताकर खेती कर रहे थे। निगम के संपत्ति विभाग ने पूर्व में जमीन खाली कराई थी, लेकिन लोगों ने फिर से कब्जा कर फसल की बुआई कर डाली।

इस समय सरसों,गेहूं और अन्य फसल की खेती की जा रही थी। सोमवार को संपत्ति प्रभारी पल्लवी सिंह और संपत्ति अधीक्षक रमाशंकर जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे। लोग निगम टीम का विरोध करने लगे। वह मालिकाना हक के सभी दस्तावेज नहीं दिखा सके। निगम टीम ने जैसे ही जेसीबी और

ट्रैक्टर को फसल पर चलाने का प्रयास किया तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। इसके बाद निगम टीम ने फसल पर जेसीबी और ट्रैक्टर चलाया। इसके बाद जमीन खाली कराई गई। कब्जामुक्त जमीन की कीमत 200 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कोर्ट में हारने के बाद भी कब्जा नहीं छोड़ रहे थे अपर नगर आयुक्त अरुण यादव ने बताया कि खसरा नंबर 122,123,129,304, 305, 306/7, 307 308 को कब्जा मुक्त कराया है। कब्जा करने वालों ने भूमि पर अपने पट्टे बताए थे। पट्टे को एसडीएम कोर्ट ने निरस्त कर दिया था। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट में भी कब्जा करने वालों की हार हो चुकी है। उन्होंने बताया निगम की खाली जमीन शहर हित में इस्तेमाल की जाएगी। इसका निर्णय सदन द्वारा लिया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल ने बताया खाली जमीन पर कई बड़ी परियोजना लाने की योजना है। इससे दो लाभ होंगे। एक तो जमीन पर कब्जा नहीं होगा। दूसरा परियोजना लाने से शहर के लोगों को लाभ मिलेगा।साथ ही निगम की आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि जमीन पर फिर से कब्जा करने पर मुकदमा दर्ज कराया जाए। कई और स्थानों पर जमीन खाली कराकर कब्जामुक्त कराई जाएगी। जमीन पर कब्जा होने की शिकायत महापौर सुनीता दयाल से की गई थी। उन्होंने मौके पर जाकर निरीक्षण किया था। महापौर ने निगम अधिकारियों से जमीन खाली कराने के निर्देश दिए।

पहलगाम हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' करने वाला नोएडा से पकड़ा गया

नोएडा , एजेंसी।
झारखंड के बाद अब उत्तर प्रदेश के नोएडा से भी एक पाकिस्तान समर्थक पकड़ा गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जहां देशभर में लोग पाकिस्तान की हाय-हाय कर रहे हैं तो वह पड़ोसी मुल्क के लिए जिंदाबाद का नारा लिख रहा था। थाना सूरजपुर क्षेत्र क्षेत्र स्थित एक सोसाइटी की मार्केट में सैलून की दुकान पर काम करने वाले युवक को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट डालना भारी पड़ गया। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने संज्ञान लेकर रविवार शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रविवार को सोशल मीडिया साइट के जरिये एक वीडियो प्राप्त हुआ। वीडियो में एक युवक ने फेसबुक पर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा हुआ था। फेसबुक का स्क्रीन शॉट लेकर एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो पर लोगों ने नोएडा पुलिस को टैग करते हुए युवक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपी मोनिश अली निवासी गांव रसूलपुर जिला रामपुर है।

युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले के सीलमपुर इलाके में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। घटना जोगी बस्ती में रविवार देर रात की है। मरने वाले युवक की पहचान 20 वर्षीय समीर के रूप में हुई है। फिलहाल सीलमपुर थाना पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।पुलिस सूत्रों के अनुसार समीर बीती रात अपने घर से नानी के घर जाने के लिए निकला था। नानी के घर से चंद कदम की दूरी पर ही अज्ञात बदमाशों ने समीर को गोली मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लेकर पहुंची।

पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर फिर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

श्रीनगर, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की सेना नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी करने से बाज नहीं आ रही है। पड़ोसी मुल्क की फौज शत्रुता का रुख अख्तियार कर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंखन कर रही है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना ने 27-28 अप्रैल की रात जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा और पुंछ जिलों के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तानी सेना की बिना उकसावे के छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी का प्रभावी जवाब दिया।

भारतीय सेना के अधिकारियों के अनुसार, सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना को छोटे हथियारों से की गई गोलीबारी का बिना समय गंवाए मुंहतोड़ जवाब दिया। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। उल्लेखनीय है इससे पहले भारतीय सेना ने 26-27 अप्रैल की रात नियंत्रण रेखा पर तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों के आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर तनाव को बढ़ा दिया है। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने कहा कि 26-27 अप्रैल की रात पाकिस्तान की सैन्य चौकियों ने तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की भारतीय सैनिकों ने भी गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इस बीच कुलगाम पुलिस ने सेना और सीआरपीएफ के साथ समन्वित अभियान में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम बिलाल अहमद भट पुत्र अब्दुल सलाम भट और मोहम्मद इस्माइल भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट हैं। दोनों थोकरपोरा (कैमोह) के रहने वाले हैं। इनके पास से सुरक्षा बलों ने दो पिस्तौल, दो मैगजीन और पिस्तौल की 25 गोलियां बरामद की हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में भूकंप के झटके, कोई नुकसान नहीं

शिमला , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप सुबह 5 बजकर 41 मिनट पर आया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र चंहा में 32.79 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.20 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित रहा। इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे रिकॉर्ड की गई।

भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता काफी कम थी। इस कारण चंबा जिले व आसपास के क्षेत्रों में किसी भी तरह के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग सतर्क हो गए और स्थिति सामान्य रही।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भूकंप की दृष्टि से देश के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। राज्य का अधिकांश भाग भूकंपीय जोन-4 और जोन-5 में आता है। इसी संवेदनशीलता के चलते चंबा, कांगड़ा, मंडी,

लाहौल-स्पीति, किन्नौर और शिमला जैसे जिलों में समय-समय पर हल्के भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में राज्य में बार-बार भूकंप के झटकों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

इतिहास गवाह है कि हिमाचल प्रदेश में भूकंप से भारी तबाही हो चुकी है। वर्ष 1905 में कांगड़ा और चंबा जिलों में आए भीषण भूकंप में 10 हजार से अधिक लोगों की जान गई थी और व्यापक स्तर पर तबाही हुई थी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लगातार लोगों को जागरूक करने के प्रयास कर रहा है। भूकंप के समय खुद को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी उपायों की जानकारी दी जा रही है। स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थलों पर भूकंप से बचाव के लिए मॉक ड्रिल भी कराई जाती हैं। चंबा सहित हिमाचल के अन्य जिलों में बीते कुछ समय में कई बार 2 से 4 रिक्टर स्केल की तीव्रता वाले भूकंप आ चुके हैं। हालांकि अब तक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन लगातार झटकों ने लोगों के मन में डर जरूर बैठा दिया है।

कूनो में फिर बढ़ा चीतों का कुनबा, मादा चीता नीरवा ने दिया पांच शावकों को जन्म

भोपाल, एजेंसी।
केन्द्र सरकार के महत्वाकांक्षी चीता प्रोजेक्ट के अंतर्गत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत लाकर मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाए गए चीतों का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है। कूनों से एक बार फिर खुशखबरी आई है। यहां पांच वर्षीय मादा चीता नीरवा ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार की रात सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी साझा की है। इसके साथ ही प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 31 हो गई। इनमें से दो चीते हाल ही में मंदसौर जिले के गांधी सागर अभ्यारण्य में छोड़े गए हैं, जबकि इन पांच नए शावकों को मिलाकर कूनों में फिलहाल

29 चीते हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की रात सोशल मीडिया एक्स पर मादा चीता नीरवा के शावकों का एक वीडियो शेयर किया है, साथ ही उन्होंने लिखा कि कूनो में नए मेहमानों का स्वागत है... अत्यंत प्रसन्नता है कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। हाल ही में पांच वर्षीय नीरवा ने पांच शावकों को जन्म दिया है। इन नन्हे शावकों का आगमन चीता प्रोजेक्ट की सफलता और भारत की समृद्ध जैव-विविधता का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वन्यजीव संरक्षण के लिए बनाया गया अनुकूल वातावरण आज समृद्ध हो रहा है। कूनो नेशनल पार्क की पूरी टीम, वन्यजीव विशेषज्ञों और संरक्षण में जुटे हर कर्मठ साथी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी एक्स पर इस खबर को साझा किया। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता नीरवा दूसरी बार मां बनी है। इससे पहले 25 नवंबर 2024 को नीरवा ने पहली बार चार शावकों को जन्म दिया था। जिसमें से दो शावकों की दो दिन बाद यानी 27 नवंबर 2024 को मौत हो गई थी। अब नीरवा ने पांच शावकों को जन्म दिया है। मादा चीता नीरवा को 2022 में दक्षिण अफ्रीका से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया था। मई 2023 में इसे पहली बार खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके पहले नीरवा को बाड़े में ही दूसरे चीतों के साथ रखा गया था।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर दिया झांसा, बुजुर्ग से साढ़े 8 लाख की साइबर ठगी

गाजियाबाद एजेंसी।
साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर बुजुर्ग से साढ़े आठ लाख रुपये ठग लिए। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नेहरू नगर स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसाइटी में रहने वाले संजय आर्या का कहना है कि 20 फरवरी को वह फेसबुक के माध्यम से व्हॉट्सऐप पर रिया बंसल नाम की महिला के संपर्क में आए। उसने उन्हें शेयर्ड टीएम-70 नाम के व्हॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। उसने बताया कि वह एचएसबीसी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिय शेयर ट्रेडिंग करने पर वह रोजाना 15 से 20 फीसदी मुनाफा कमा सकते हैं।

रिया बंसल ने उन्हें एक फार्म भेजा, जिसे भरकर उन्होंने वापस भेज दिया। इसके बाद उसने बताया गया कि वह थर्ड पार्टी ब्रोकर खाते में रकम ट्रांसफर करेंगे। उसने कहा कि वह एचएसबीसी ऐप के जरिये निवेश करेंगे और वह अपनी धनराशि कभी भी निकाल सकते हैं। यह रकम दो से 24 घंटे में उनके खाते में पहुंच जाएगी। संजय आर्या का कहना है कि 27 फरवरी 2025 को उनके पास एचएसबीसी सिक्योरिटीज एंड कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड का एक फॉर्म भेजा गया। उस पर अमित सचदेवा के हस्ताक्षर थे। फार्म में 15 से 25 फीसदी रिटर्न का आश्वासन दिया गया था। संजय आर्या का कहना है कि अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्होंने चार मार्च को 25 हजार रुपये से निवेश शुरू किया। उन्हें ऑनलाइन लाभ दर्शाया गया था।

पहलगाम हमले के बाद से खामोश है सीमा हैदर

नोएडा, एजेंसी।
चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर पहलगाम हमले के बाद से एक बार फिर चर्चा में है। आतंकी हमले के बाद जहां सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश दिया तो सीमा हैदर के मुद्दे ने भी तूल पकड़ लिया। इस बीच सीमा हैदर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से गायब चल रही है। वह आतंकी हमले के बाद से ही खामोश है। मैं पाकिस्तान की बेटी थी और भारत की बहू हूं कहते हुए उसका एक वीडियो वायरल हुआ था, लेकिन यह पुराना निकला। अब सीमा के वकील एपी सिंह ने लाइव हिन्दुस्तान से बातचीत करते हुए बताया है कि क्यों सीमा इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐक्टिव नहीं है।

सीमा हैदर के मुंहबोले भाई और अदालत में उसके लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने बताया है कि सीमा हैदर की बेटी बीमार है। एपी सिंह ने फोन पर बातचीत में कहा, सीमा की तीसरे नंबर की बेटी बीमार है। वह अस्पताल में भर्ती है। सीमा उसकी देखभाल में जुटी है और इस वजह से सोशल मीडिया से भी दूर है। सीमा हैदर के पांच बच्चे हैं, चार बच्चे पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर से हैं, जबकि हाल ही में वह सचिन मीणा की बच्ची की भी मां बनी है।ऐसे में अपनी बेटी के बीमार होने की खबर सुनकर गुलाम हैदर भी दुखी होगा।

पाकिस्तान भेजे जाने की अटकलों के बीच सीमा हैदर का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह हाथ जोड़कर कहती है कि वह पाकिस्तान की बेटी थी और भारत की बहू है, इसलिए उसे भारत में ही रहने दिया जाए। इस वीडियो को लेकर सवाल किए जाने पर एपी सिंह ने कहा कि यह पुराना है। लाइव हिन्दुस्तान के पड़ताल में भी यह वीडियो जुलाई 2023 का निकला।

सीमा हैदर के यूट्यूब चैनल पर पिछले छह दिनों से खामोशी छाई है। वह इंस्टाग्राम पर भी कोई वीडियो अपलोड नहीं रही है। ऐसा संभवतः पहली बार हुआ है जब वह इतने दिनों तक सोशल मीडिया से दूर है। वह अक्सर सचिन मीणा के साथ नाचते, गाते, घर के कामकाज करते हुए वीडियो बनाकर अपलोड करती है। दोनों अक्सर लाइव आकर अपने फॉलोअर्स से बातचीत करते हैं और उनके सवालों के जवाब भी देते हैं। लेकिन पहलगाम हमले के बाद से वह पूरी तरह खामोश है।

इस बीच सीमा को पाकिस्तान भेजे जाने को लेकर भी कई दावे सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में भी दावा किया गया कि सीमा को तीन दिन के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। हालांकि, एपी सिंह ने इसका खंडन करते हुए कहा कि सीमा अदालत के आदेश के तहत रबूपुरा में रह रही है और उसे किसी तरह का नोटिस नहीं दिया गया है।

सीमा हैदर की होगी पाकिस्तान वापसी या भारत में रहेंगी? नोएडा पुलिस ने बताया कहां फंसा है पेंच ?: पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिले से किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को अब तम वापस नहीं भेजा गया। गौतमबुद्ध नगर में महज पांच पाकिस्तानी नागरिक हैं। सभी के पास लंबी अवधि का वीजा है। वहीं,अवैध रूप से भारत में रही रहीं सीमा हैदर के पाकिस्तान वापसी पर असमंजस बरकरार है। भारत सरकार ने सार्क वीजा पर आने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर उनके वतन वापस भेजने का निर्णय लिया। रविवार को

समय-सीमा समाप्त हो गई। सरकार ने पहले ही तय कर दिया था कि तय समयसीमा के बाद अगर कोई पाकिस्तानी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के यहां पाया गया, तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। उत्तर प्रदेश सरकार और डीजीपी ने सभी जिले की पुलिस और प्रशासन से अल्प समय वीजा पर रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने का निर्देश दिया है। इस बीच सबसे बड़ी चर्चा सीमा हैदर को लेकर भी हो रही है। सीमा हैदर पाकिस्तान से गैरकानूनी तरीके से भारत आई थी और यहां रह रही हैं। उनका भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। पुलिस के मुताबिक सीमा हैदर को लेकर कोई नया निर्देश फिलहाल नहीं आया है। न तो उसे फौरन वापस भेजने का आदेश मिला है और न ही रहने की इजाजत का कोई ठोस फैसला हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीमा का मामला अलग तरीके का है और न्यायालय में विचाराधीन है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,